संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-123 ■ रायपुर, बुधवार 30 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्थी
नक्षत्र : भरणी
प्रथम करण : बालवा
द्वितीय करण : कौवाला
पक्ष : कृष्ण
वार : बुधवार
योग : वज्र
सूर्योदय : 06:13
सूर्यास्त : 18:01
चंद्रमा : मेष राशि में
राहुकाल : 12:07 - 13:36
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

सीईसी नहीं सीधे पीएम मोदी के इस्तीफे के लिए आंदोलन करे सीजेपी : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बजाय सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की जानी चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा सीईसी के इस्तीफे को लेकर 2 अक्टूबर को प्रदर्शन की योजना के बीच केजरीवाल ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि आयोग में सब कुछ शीर्ष स्तर के कहने पर हो रहा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक दबाव समूह 'कॉकरोच जनता पार्टी' के लिए एक संदेश है – जिसमें सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफ़े की मांग की गई है। एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने इशारों-इशारों में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने जो कुछ भी किया, वह बॉस के कहने पर किया। केजरीवाल ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि पहले आपने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की। अब आप ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं। मेरा कहना है कि आगे बढ़िए और सीधे बॉस के इस्तीफ़े की मांग कीजिए। सब कुछ उन्हीं के कहने पर हो रहा है।

करंट की चपेट में आए मजदूर, एक की मौत, दो गंभीर

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां बिजली खंभा गाड़ने के दौरान एक मजदूर की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। यह घटना पत्थलगांव थाने के पाकरगांव में हुई है। बताया जा रहा है कि मजदूर बिजली खंभा गाड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान खंभा गिर गया और मजदूर 11 हजार KV करंट की चपेट में आ गए। इस घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हैरानी की बात ये है कि शट डाउन के बाद भी तार में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसकी चपेट में मजदूर आ गए। वहीं इस घटना के बाद अरा-तफरी का माहौल बन गया। घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल पत्थलगांव पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने भी घटना की जांच शुरु कर दी है।

मुख्यमंत्री ने यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं और स्टार्टअप उद्यमियों से किया सीधा संवाद

कृषि और वन संपदा के वैल्यू एडिशन में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति प्रदेश के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमिता के बल पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाले बनें। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं, नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप्स की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्य सरकार युवाओं के विचारों को नवाचार और नवाचार को सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक वातावरण, अधोसंरचना, तकनीकी सहयोग और प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026' में प्रदेशभर से आए विद्यार्थियों, युवा नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का युवा केवल अवसर की प्रतीक्षा करने वाला युवा नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा से नए अवसर गढ़ने का सामर्थ्य रखता है। सरकार का दायित्व है कि उसके विचार को सही मंच, तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और अनुकूल नीतिगत वातावरण मिले। इसी सोच के साथ राज्य में स्टार्टअप और इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत किया जा रहा है।

'युवाओं के लिए 500 करोड़ रुपए की मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण योजना'

युवाओं के विचारों को व्यवसाय में बदलने में राज्य सरकार की भूमिका से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के बेटे-बेटियों को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण योजना' पर काम किया जा रहा है। इसके लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति-2024 में भी नए उद्यमियों के लिए अनेक प्रोत्साहन रखे गए हैं। महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजनों सहित विभिन्न वर्गों की उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार सृजित करने वाले उद्योगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से कहा कि वे नई औद्योगिक नीति का गंभीरता से अध्ययन करें और उसमें उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रदेश में नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, ताकि उद्योग लगाने के इच्छुक युवाओं और निवेशकों को अलग-अलग कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

'नई औद्योगिक नीति के बाद 8.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद प्रदेश को अब तक लगभग 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। निवेश की यह प्रक्रिया केवल प्रस्तावों तक सीमित नहीं है, बल्कि अनेक परियोजनाओं पर धरातल पर कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब परंपरागत उद्योगों के साथ-साथ ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल और अन्य उभरते क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, ऊर्जा क्षमता, देश के मध्य में स्थित भौगोलिक स्थिति तथा लगातार मजबूत हो रही सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी निवेश और उद्यमिता के लिए छत्तीसगढ़ की संभावनाओं को और सशक्त बना रही है।

'विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की होगी निर्णायक भागीदारी'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प देश के सामने रखा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लगभग 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से पूरा होगा। विशेष रूप से नई पीढ़ी को टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में आगे आना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर-विशाखापट्टनम सहित महत्वपूर्ण मार्गों और अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं के विस्तार से छत्तीसगढ़ की देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों तक पहुंच और बेहतर होगी। इसका सीधा लाभ उद्योग, व्यापार, कृषि, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में मिलेगा।

'किसान परिवार के अनुभव युवाओं से किए साझा'

युवाओं के साथ संवाद के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने कृषक परिवार और गांव बगिया से जुड़े अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि वे किसान परिवार से आते हैं और स्वयं खेती-किसानी, हल चलाने तथा पशुपालन के कार्यों से जुड़े रहे हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र की चुनौतियों के साथ उसमें छिपी संभावनाओं को भी वे निकटता से समझते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है। आधुनिक तकनीक और नवाचार को कृषि से जोड़कर युवाओं के लिए उद्यमिता के व्यापक अवसर तैयार किए जा सकते हैं। कृषि के साथ जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य उभरते क्षेत्रों में युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकते हैं।

'कृषि और वन संपदा के वैल्यू एडिशन में अपार संभावनाएं'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रकृति ने छत्तीसगढ़ को खनिज, वन संपदा और कृषि जैव विविधता की अनुपम संपदा दी है। आवश्यकता इस बात की है कि इन संसाधनों का बेहतर वैल्यू एडिशन हो और उसका अधिक लाभ स्थानीय लोगों को मिले।

उन्होंने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के वन क्षेत्रों में इमली, महुआ, सीताफल और औषधीय पौधों जैसी वनोपज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इनके आधुनिक प्रसंस्करण, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के माध्यम से युवा नए उद्यम खड़े कर सकते हैं। इससे वनांचल में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ने के साथ वहां की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। एक युवा उद्यमी द्वारा सुगंधित चावल के निर्यात से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सही मायने में धान का कटोरा है। प्रदेश में जवाफूल, विष्णुभोग, हनुमानभोग और शीतलचीनी जैसी अनेक विशिष्ट एवं सुगंधित धान की किस्में हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा धान की हजारों किस्मों का संरक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहना है। प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, वैल्यू एडिशन और निर्यात की पूरी श्रृंखला विकसित करनी होगी। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित स्टार्टअप्स के लिए भी नए बाजार एवं अवसर तैयार होंगे। कॉन्क्लेव में युवाओं ने मुख्यमंत्री से खुलकर सवाल किए। स्टार्टअप फंडिंग से लेकर लोन में कोलेटरल की व्यवस्था, सरकारी योजनाओं के सहयोग, रोजगार सृजन, हॉर्टिकल्चर विद्यार्थियों के कौशल के बेहतर उपयोग, सोशल मीडिया एवं इन्फ्लुएंसर इकोसिस्टम तथा प्रस्तावित फिल्म सिटी से पैदा होने वाले अवसरों तक अनेक विषय संवाद के केंद्र में रहे।

स्मृति ईरानी का हमला, हार के बाद कांग्रेस कर रही संवैधानिक संस्थाओं का अपमान



नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार पर विचार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कमज़ोर कर रही है और भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरानी ने वोटर लिस्ट में बदलाव और उसे अपडेट करने के बारे में विपक्ष की हालिया टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस विचार का ज़िक्र किया कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध तो होता है, लेकिन अहम लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमले नहीं होने चाहिए।

ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है: उनकी आलोचना करें, उन पर हमला करें, लेकिन इस हमले को संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र पर हमले में न बदलने दें। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व भारत के संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वोटर लिस्ट अपडेट में 13.3 करोड़ एंट्रीज़ के बारे में कांग्रेस के दावों पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा डुप्लीकेट और मृत वोटरों को हटाने के लिए किए गए घर-घर जाकर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पर एक आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया था।

ईरानी ने वोटर लिस्ट को ठीक करने के विरोध में विपक्ष के इरादों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट नाम या मृत लोगों के नाम हैं, तो कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि मृत लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं? कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि डुप्लीकेट एंट्रीज़ बनी रहें? उन्होंने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में कांग्रेस के रवैये पर भी सवाल उठाए, जहाँ गैर-बीजेपी सरकारें सत्ता में हैं। उन्होंने पूछा कि क्या पार्टी उन इलाकों में भी चुनाव आयोग के लिए वही पैमाने अपनाती है।

कांग्रेस द्वारा आज़ादी से पहले के लाहौर अधिवेशन का ज़िक्र किए जाने को खारिज करते हुए, ईरानी ने इंडियन नेशनल कांग्रेस की शुरुआत का ज़िक्र किया और औपनिवेशिक हितों की रक्षा के लिए इसके गठन में ब्रिटिश अधिकारी ए.ओ. ह्यूम की भूमिका को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश साम्राज्य की रक्षा के लिए बनाई गई कांग्रेस पार्टी आज भारत के चुनाव आयोग पर हमला कर रही है... इससे ज़्यादा शर्मनाक बात और क्या हो सकती है।

कृषिमंत्री रामविचार नेताम के लगातार प्रयासों से छत्तीसगढ़ के किसानों को केंद्र की बड़ी सौगात

कृषि विकास के लिए मिले 181.99 करोड़ रुपए, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी बधाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी



राष्ट्रीय कृषि मंत्रियों के सम्मेलन 'रबी अभियान 2026' के अवसर पर 28-29 सितंबर को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र और किसानों के हित में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत कुल 181.99 करोड़ रुपये की द्वितीय मद की राशि जारी किए जाने की जानकारी देते हुए मंत्री श्री रामविचार नेताम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि कृषि मंत्री राम विचार नेताम के निरंतर प्रयासों से प्रदेश के किसानों को समृद्धि मिल रही है।

भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को जारी 181.99 करोड़ रुपये में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 91.20 करोड़ रुपये तथा कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत 90.79 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस राशि से राज्य में कृषि से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा किसानों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने तथा राज्यों के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार इस राशि का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग करते हुए राज्य के किसानों तक इसका अधिकतम लाभ पहुंचाएगी।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के कृषि विकास और किसानों के हित में जारी इस राशि के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई गति मिल रही है। प्राप्त राशि का उपयोग कृषि क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने की दिशा में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रबी अभियान 2026 के तहत देशभर के कृषि मंत्रियों का सम्मेलन 28 एवं 29 सितंबर को आयोजित किया गया। सम्मेलन में कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों, किसानों के हित में संचालित योजनाओं तथा कृषि विकास की आगामी रणनीतियों पर चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम की केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य मुलाकात हुई।

परीक्षा दे रहे बच्चों के ऊपर गिरा छत का प्लास्टर

दुर्ग ■ एजेंसी



जिले के रसमड़ा क्षेत्र के ग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाईस्कूल में मंगलवार को त्रैमासिक परीक्षा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। संस्कृत की परीक्षा दे रहे छात्र-छात्राओं के ऊपर अचानक क्लासरूम की छत का प्लास्टर गिरा। हादसे में 10वीं के तीन बच्चे घायल हो गए। छात्रा द्रौपदी ठाकुर के सिर में गंभीर चोट आई है। उनके सिर पर तीन टांके लगाए गए हैं और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के वक्त स्कूल में करीब 50 छात्र-छात्राएं कक्षा 10वीं की संस्कृत विषय की परीक्षा दे रहे थे। इसी दौरान अचानक छत का प्लास्टर टूटकर नीचे गिर गया। प्लास्टर गिरते ही कक्षा में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में तीन बच्चों को चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल छात्रा द्रौपदी ठाकुर को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके सिर पर तीन टांके लगाए गए। अन्य दो बच्चों को मामूली चोटें आई है।

छत का प्लास्टर गिरने के बाद कुछ देर के लिए परीक्षा भी प्रभावित हुई। स्कूल प्रबंधन ने घायल बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। घटना की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से जांच दल को स्कूल भेजा गया। जांच टीम पता लगाएगी कि भवन की स्थिति पहले से खराब थी या नहीं और मरम्मत अथवा सुरक्षा को लेकर पूर्व में कोई शिकायत की गई थी या नहीं।

परीक्षा के दौरान करीब 50 बच्चों की मौजूदगी वाले कमरे में छत का प्लास्टर गिरने की घटना ने सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और भवनों के रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गनीमत रही कि प्लास्टर का हिस्सा गिरने से बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना के बाद बच्चों और उनके परिजनों में भी चिंता का माहौल है।

एक ही परिवार के 5 लोगों की डूबने से मौत

झांसी ■ एजेंसी

झांसी के मऊरानीपुर क्षेत्र में मंगलवार को श्राद्ध कर्म के दौरान सुखनई नदी में ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया। तर्पण के दौरान एक व्यक्ति गहरे पानी में चला गया और उसे बचाने की कोशिश में परिवार के कई लोग नदी में उतर गए। देखते ही देखते पांच लोग पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा रानीपुर चौकी क्षेत्र के देवरी सिंहपुरा में हुआ। बताया गया कि गांव के रहने वाले अनूप तिवारी अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म और जल तर्पण के लिए सुखनई नदी के किनारे पहुंचे थे। परिवार के लोग धार्मिक रस्म पूरी कर रहे थे। इसी दौरान अनूप तिवारी नदी के गहरे हिस्से में चले गए और अचानक डूबने लगे।

अनूप को पानी में डूबता देखकर वहां मौजूद परिजन उन्हें बचाने के लिए नदी में उतर गए। लेकिन नदी की गहराई और पानी के बहाव के कारण हालात तेजी से बिगड़ते चले गए। एक के बाद एक कई लोग पानी की चपेट में आ गए।

'बहन को पीटा था', पूजा भट्ट से मारपीट के बाद रणवीर शौरी पर फूटा था राहुल भट्ट का गुस्सा, तोड़ दी थी पसली

मुंबई (एजेंसी)। राहुल भट्ट ने अभिनेता रणवीर शौरी के साथ हुए पुराने विवाद को लेकर पहली बार नहीं, बल्कि हालिया बातचीत में काफी खुलकर बात की है। उन्होंने माना कि उस समय उनकी प्रतिक्रिया जरूरत से ज्यादा उग्र थी और कानून अपने हाथ में लेना उनकी गलती थी। सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान राहुल ने बताया कि यह विवाद उनकी बहन पूजा भट्ट और रणवीर शौरी के बीच हुई कहासुनी के बाद बढ़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया और उन पर केस दर्ज हुआ था।

पूजा भट्ट और रणवीर शौरी के बीच हुई थी कहासुनी

राहुल भट्ट से जब सिद्धार्थ कन्नन ने पूछा कि आखिर उनके और रणवीर शौरी के बीच क्या हुआ था तो उन्होंने बताया कि शुरुआत उनकी बहन पूजा भट्ट और रणवीर शौरी के बीच हुई बहस से हुई थी। राहुल के मुताबिक दोनों के बीच कहासुनी हुईऔर रणवीर ने पूजा को पीटा था और स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें बीच में आना पड़ा। राहुल ने कहा कि उस समय वह अपनी बहन के बचाव में बीच में आए थे, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया काफी ज्यादा हो गई। उन्होंने माना कि हालात को संभालने के बजाय उन्होंने गुस्से में ऐसा कदम उठाया, जिसका बाद में उन्हें कानूनी तौर पर भी सामना करना पड़ा।

'मैंने उसकी गाड़ी का कांच तोड़ दिया था'

राहुल ने बातचीत में स्वीकार किया कि उन्होंने रणवीर शौरी की गाड़ी का कांच तोड़ दिया था और उनकी एक पसली भी तोड़ दी थी। उन्होंने अपनी



उस प्रतिक्रिया को काफी उग्र बताया। राहुल ने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें लगता है कि उन्हें इतना आगे नहीं जाना चाहिए था। उन्होंने साफ शब्दों में माना कि कानून अपने हाथ में लेना उनकी गलती थी। राहुल के मुताबिक, उस घटना के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ। इस घटना को याद करते हुए उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गुस्से में लिया गया उनका फैसला सही नहीं था।

'मुझे पछतावा है कि इतना ज्यादा नहीं करना चाहिए था'

जब सिद्धार्थ कन्नन ने राहुल से पूछा कि क्या उन्हें इस घटना का पछतावा है तो उन्होंने बिना किसी हिचक के 'हां' कहा। राहुल ने माना कि उन्हें अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण रखना चाहिए था और मामला इतना आगे नहीं बढ़ना चाहिए था। उन्होंने खास तौर पर कहा कि रणवीर शौरी के मामले में उनकी प्रतिक्रिया जरूरत से ज्यादा थी। हालांकि, राहुल ने यह भी बताया कि बाद में जब दोनों के बीच कानूनी विवाद को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हुई, तब रणवीर ने जिस तरह का व्यवहार किया, उससे उनके मन में अभिनेता के लिए सम्मान बढ़ गया।

'रणवीर ने कोई रंजिश नहीं रखी'

राहुल भट्ट ने रणवीर शौरी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बाद में मामले को आगे बढ़ाने के बजाय उसे खत्म करने का रास्ता चुना। राहुल के मुताबिक रणवीर ने इस मामले में काफी शालीनता दिखाई और पुरानी बात को पीछे छोड़ने की बात कही। राहुल ने बताया कि रणवीर ने 'जो बीत गया सो बीत गया' वाली सोच अपनाई और मामले को खत्म करने के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि आमतौर पर ऐसे विवादों में लोग लंबे समय तक रंजिश रखते हैं या मामले को अपने फायदे के लिए खींचते हैं, लेकिन रणवीर ने ऐसा नहीं किया।

'मैं रणवीर की बहुत इज्जत करता हूं'

राहुल ने आगे कहा कि रणवीर के इस रवैये की वजह से वह आज भी उनकी काफी इज्जत करते हैं। उन्होंने बताया कि रणवीर ने केस को खत्म करने की प्रक्रिया में सहयोग किया और इसके बाद मामला समाप्त हो गया। राहुल के अनुसार एफआईआर भी बाद में रद्द कर दी गई। इस बातचीत के दौरान राहुल ने डेविड हेडली से मुलाकात और दोस्ती पर भी बात की थी।

सिनेमाघरों में रिलीज होने के 13 साल बाद OTT पर आएगी राजकुमार राव की 'शाहिद'

मुंबई (एजेंसी)। राजकुमार राव और हंसल मेहता की चर्चित फिल्म 'शाहिद' ने सिनेमाघरों में रिलीज के करीब 13 साल बाद आखिरकार ओटीटी पर दस्तक दे दी है। साल 2013 में रिलीज हुई यह फिल्म वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी की जिंदगी से प्रेरित थी। फिल्म में राजकुमार राव ने मुख्य भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद फिल्म को समीक्षकों की सराहना मिली और 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में राजकुमार राव को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और हंसल मेहता को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला था। अब इतने लंबे इंतजार के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म के ओटीटी पर आने के साथ ही इसके लेखक और एडिटर अपूर्व अस्रानी ने इसकी लंबे समय तक डिजिटल प्लेटफॉर्म से दूरी को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की स्ट्रीमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए सीधे पूछा- आखिर 'अब क्यों?'

बॉलीवुड फिल्म 'शाहिद' एक ऐसे वकील की कहानी है, जो आतंकवाद से जुड़े मामलों में आरोपी बनाए गए लोगों को कानूनी मदद देने और उन्हें उचित प्रक्रिया का अधिकार दिलाने के लिए काम करता है। फिल्म में राजकुमार राव ने शाहिद आजमी का किरदार निभाया है। असली शाहिद आजमी की 2010 में मुंबई में हत्या कर दी गई थी। हंसल मेहता की इस फिल्म का प्रीमियर 2012 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इसके बाद 2013 में इसे भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी कहानी और कलाकारों के प्रदर्शन के कारण अलग पहचान बनाई। फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कारों के साथ कई अन्य समारोहों में भी सम्मान और सराहना मिली।

'शाहिद' की डिजिटल रिलीज में हुई लंबी देरी को लेकर इससे पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कुछ साल पहले हंसल मेहता ने भी सोशल मीडिया पर फिल्म के किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं होने पर निराशा जाहिर की थी। उन्होंने तब कहा था कि उन्हें यह तक जानकारी नहीं थी कि फिल्म के डिजिटल अधिकार किसके पास हैं।

बिल नहीं चुकाया तो कटी घर की बिजली, अब भड़कीं अजय देवगन की साली तनीषा मुखर्जी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या टीवी शो नहीं, बल्कि उनके लोनावला स्थित पुश्तैनी घर की बिजली से जुड़ा मामला है। काजोल की बहन तनीषा ने मंगलवार को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (MSEB) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री का आरोप है कि उनके घर का बिजली कनेक्शन काट दिया गया और उनसे भारी-भरकम बिल का भुगतान करने के लिए कहा गया।

बिजली कटने को लेकर सोशल मीडिया पर जताया गुस्सा

तनीषा मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लोनावला में बिजली विभाग के अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की ओर से कथित तौर पर बहुत ज्यादा रकम के बिल दिए जा रहे हैं और भुगतान के लिए दबाव बनाया जा रहा है। अभिनेत्री



ने दावा किया कि उनके घर की बिजली शनिवार शाम को काट दी गई, जबकि उनके मुताबिक बिल की तय अंतिम तारीख अभी नहीं आई थी। उन्होंने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल उठाया। तनीषा ने अपनी पोस्ट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य संबंधित लोगों को टैग करते हुए लोनावला में बिजली व्यवस्था को लेकर हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि वहां उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त नियमन होना चाहिए और किसी तरह की मनमानी नहीं होनी चाहिए।

यूजर के सवाल पर तनीषा ने दी सफाई

अभिनेत्री की पोस्ट के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने सवाल किया कि अगर बिजली का बिल बकाया है तो उसकी आखिरी तारीख तक भुगतान करने का इंतजार क्यों किया जा रहा है। इसके जवाब में तनीषा ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि उनका दावा यह नहीं है कि वह भुगतान के लिए अंतिम तारीख का इंतजार कर रही हैं, बल्कि उनका सवाल कथित तौर पर तय समय से पहले बिजली काटे जाने और ऐसे बिल के भुगतान के दबाव को लेकर है, जिसे वह सत्यापित नहीं मानतीं। एक अन्य यूजर ने भी कमेंट करते हुए कहा कि उसे भी ऐसी ही परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस पर तनीषा ने लोगों से संबंधित अधिकारियों को टैग करने की अपील की। अभिनेत्री ने कहा कि व्यवस्था में बदलाव के लिए आवाज उठाना जरूरी है और किसी एक संस्था का एकाधिकार या उपभोक्ताओं पर दबाव ठीक नहीं है।

दादी शॉभना समर्थ के घर को बनाया हेरिटेज होमस्टे

तनीषा का लोनावला वाला घर उनके परिवार के लिए सिर्फ एक प्रॉपर्टी नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों की यादों से जुड़ा हुआ है। कुछ समय पहले अभिनेत्री ने अपनी नानी और मशहूर अभिनेत्री शॉभना समर्थ के इस पुश्तैनी घर का टूर सोशल मीडिया पर साझा किया था। उन्होंने इस प्रॉपर्टी को नए अंदाज में सजाने के साथ-साथ इसकी पुरानी पहचान को भी बरकरार रखने की कोशिश की है। इस हेरिटेज होमस्टे का नाम फ्रैंगिपानी हाउस रखा गया है। तनीषा ने बताया था कि घर की लगभग हर दीवार और हर कोना उनकी दादी से जुड़ी कोई कहानी अपने अंदर समेटे हुए है।

सेहत

सुबह खाली पेट एक चम्मच देसी घी खाने से क्या होता है?

घी वर्षों से भारतीय रसोई और आयुर्वेदिक में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता आया है, यह न केवल खाना पकाने की एक सामग्री है बल्कि पोषण का बेहतरीन सोर्स भी है। पिछले कुछ सालों में सुबह खाली पेट घी खाने की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। एक्ट्रेसेस से लेकर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स तक हर कोई सुबह खाली पेट घी खाने की सलाह दे रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह खाली पेट घी खाने से सेहत को क्या क्या फायदे मिलते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह खाली पेट घी खाना सेहत के लिए क्यों वरदान माना जाता है।

पाचन के लिए

रोजाना सुबह खाली पेट एक चम्मच घी खाना डाइजेस्टि व सि स्टम के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। देसी घी में ब्यूटिरिक एसिड जो एंटी-इंफ्लेमेटरी की तरह काम करता है। ये पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है जिससे खाना आसानी से पच जाता है।

वेट लॉस में सहायक

घी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से वेट को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। खाली पेट एक चम्मच देसी घी



खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है जो शरीर के फैट को बर्न करने में मदद करता है। इसके साथ ही ये भूख को भी कंट्रोल करता है। इसके सेवन से आप बार बार खाने से बचते हैं।

स्किन के लिए

घी स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं। घी में मौजूद विटामिन्स स्किन को चमकदार बनाते हैं और रिंकल्स की समस्या से छुटकारा दिलाते हैं। अगर आप चेहरे पर नेचुरल ग्लो पाना चाहते हैं तो सुबह खाली पेट एक चम्मच घी का सेवन करना शुरू कर दें।

हड्डियों के लिए

आजकल उम्र से पहले ही लोगों की हड्डियां मजबूत हो जाती है। ऐसे में घी का सेवन कर आप अपनी हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। घी में मौजूद विटामिन K कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। नियमित सेवन से जोड़ों के दर्द और कमर दर्द से भी छुटकारा मिल सकता है।

जरूरी है हड्डियों को मजबूत बनाना

एक कमजोर हड्डी को मजबूत बनाने में 150 दिन लगते हैं लेकिन उसे खराब होने में सिर्फ 20 दिन लगते हैं। इसलिए ये जानना बहुत जरूरी है कि बोन्स को ताकतवर बनाकर शरीर को सेहतमंद कैसे रख सकते हैं।

स्किपिंग पैरों, पेल्विक फ्लोर और रीढ़ की हड्डियों को मजबूत बनाती है। सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से थाइज, घुटने, पिंडलियां और टखने मजबूत रहते हैं। हड्डियां स्ट्रॉन्ग रहे उसके लिए जरूरी है कि उनकी डेंसिटी न घटे। और इसके लिए आप पुशअप्स कर सकते हैं या फिर स्क्वॉट्स के साथ वेट ट्रेनिंग जैसे डंबल लेकर लंजेज, बाइसेप्स, ट्राई सेप्स जैसी एक्सरसाइज कर सकते हैं।

गौर करने वाली बात- हड्डियों में ताकत के साथ-साथ लचीलापन होना भी जरूरी है। इसके लिए सबसे कारगर योगाभ्यास हैं ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, उष्ट्रासन, सेतुबंधासन और चक्रासन। हफ्ते में सिर्फ 5 दिन इनमें से कोई भी तरीके से पसीना बहाने से ऑस्टियोपोरिस का खतरा 70% तक कम हो जाता है। सौ बातों की एक बात, जवानी में जमा करें और बुढ़ापे में खर्च यानी आपने बचपन से लेकर 35 की उम्र तक अगर पसीना बहाया, हड्डियों को सही खानपान दिया, तो उम्र बढ़ने के साथ आपकी हड्डियां उतनी कमजोर नहीं होंगी जितनी आपकी उम्र के किसी दूसरे शख्स की होंगी।

अगर आप हड्डियों को मजबूत बनाने में कामयाब हो गए, तो न तो घुटने घिसने की नौबत आएगी और न ही यंग एज में जॉइंट्स की परेशानी बढ़ेगी।

विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी से युवाओं की भी बोन्स इतनी कमजोर हो रही हैं कि जरा सा झटका लगने या चोट लगने से फ्रैक्चर हो रहा है। ऐसे हालात न बनें, उसके लिए जरूरी है कि आज से और अभी से एक्टिव हो जाएं। योग की शरण में आएं और जीवन सेहतमंद बनाएं। अगर आपको गठिया का दर्द रहता है तो चाय-कॉफी न लें, टमाटर न खाएं, शुगर कम करें, तला-भुना खाने से बचें और वजन कंट्रोल रखें।

किस-किस वजह से बढ़ सकता है दर्द- वजन उठाने से गठिया का दर्द बढ़ सकता है। वजन सहने वाले जोड़ यानी घुटने-कूल्हे में दर्द महसूस हो सकता है।

हल्दी का दूध ही नहीं, पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद

चुटकी भर हल्दी आपकी सेहत को काफी हद तक सुधार सकती है, बस जरूरत है औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी को सही मात्रा में और सही तरीके से अपने डाइट प्लान का हिस्सा बनाने की। अक्सर आपने हल्दी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी हल्दी का पानी पीने के फायदों के बारे में सुना है? अगर नहीं, तो आज हम आपको बताएंगे कि हल्दी का पानी पीने से आपके शरीर को और आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं...

मिलेंगे फायदे ही फायदे- हल्दी के पानी को गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। लीवर डिटॉक्सिफिकेशन के लिए भी हल्दी के पानी को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द और गठिया से राहत पाने के लिए भी हल्दी के पानी का सेवन किया जा सकता है। इतना ही नहीं दिल से जुड़ी गंभीर और खतरनाक बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए और दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है।

बूस्ट करे इम्यूनिटी- क्या आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो हल्दी का पानी पीने से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत बन सकता है। वजन घटाने के लिए भी हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पोषक तत्वों से भरपूर हल्दी का पानी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

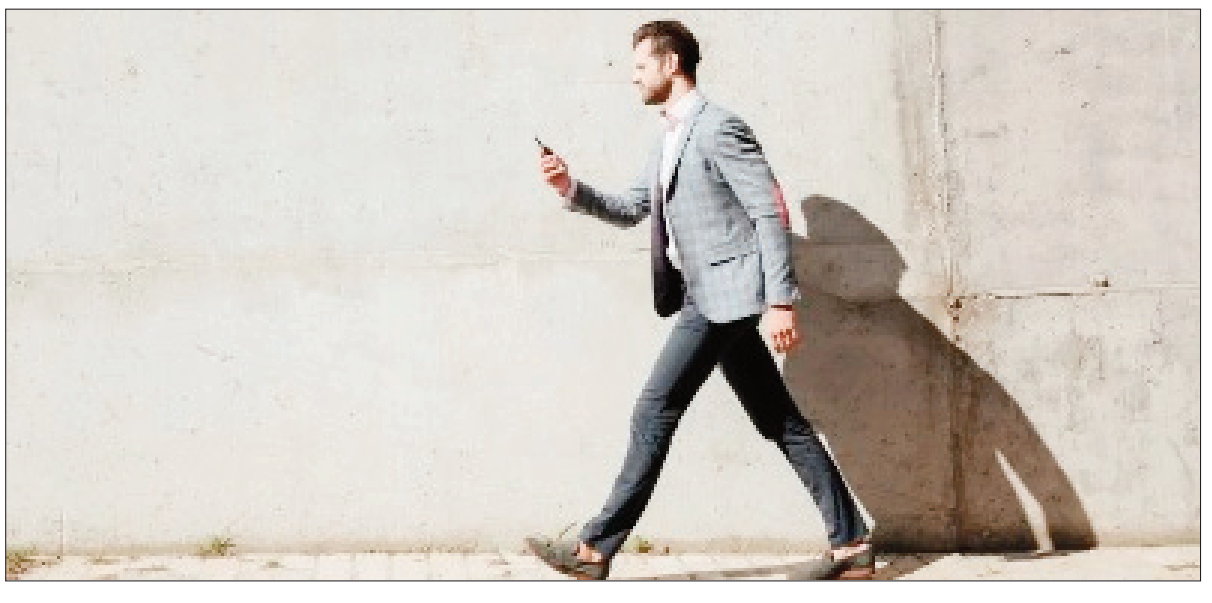
सेवन करने का तरीका- सबसे पहले एक गिलास में गुनगुना पानी निकाल लीजिए। अब इसी गिलास में एक-चौथाई चम्मच हल्दी पाउडर और एक चुटकी काली मिर्च को मिक्स कर लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सुबह-सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है। ध्यान रहे कि आपको लिमिट में रहकर ही हल्दी के पानी का सेवन करना चाहिए वरना आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

हर 30 मिनट पर वॉकिंग ब्रेक लेने से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं?

आज की डिजिटल दुनिया में हमारा ज्यादातर वक्त कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठकर बीतता है। लगातार घंटों बैठे रहना हमारी सेहत के लिए एक 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब इसे "सिटिंग डिजीज"कहने लगे हैं। इस समस्या का सबसे आसान और असरदार समाधान है हर 30 मिनट में 2 से 3 मिनट का एक छोटा सा वॉकिंग ब्रेक लेना। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि हर 30 मिनट पर वॉकिंग ब्रेक लेने से क्या क्या फायदे होते हैं। चलिए जानते हैं।

1. मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

जब आप लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता धीमी हो जाती है और फैट जमा करने वाले एंजाइम्स सक्रिय हो जाते हैं। हर 30 मिनट में उठकर टहलने से आपका मेटाबॉलिज्म फिर से 'स्टार्ट' हो जाता है। यह छोटी सी गतिविधि ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और कैलोरी



को बर्न करने में मदद करती है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

2. ब्लड सर्कुलेशन में सुधार

लगातार बैठे रहने से पैरों में खून का फ्लो धीमा हो जाता है, जिससे 'डीप वेन थ्रोम्बोसिस' या नसों में सूजन का खतरा बढ़ जाता है।

जब आप हर आधे घंटे में वॉक करते हैं, तो आपकी पिंडलियों की मांसपेशियां एक पंप की तरह काम करती हैं। इससे पूरे शरीर में ऑक्सीजन और खून का फ्लो बेहतर होता है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है।

3. रीढ़ की हड्डी और जोड़ों के दर्द से राहत

गलत पोस्चर में बैठना भी कई तरह के हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनता जा रहा है। इसकी वजह से गर्दन, कंधों और पीठ के निचले हिस्से पर भारी दबाव पड़ता है। ऐसे में 30 मिनट का ब्रेक आपकी रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने का काम करता है। इससे मांसपेशियों की जकड़न दूर होती है और जोड़ों में लचीलापन बना रहता है।

4. ब्लड शुगर लेवल करे कंट्रोल

खाने के बाद बैठकर काम करना या घंटों एक ही जगह बैठे रहने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है। रिसर्च के मुताबिक जो लोग हर 30 मिनट में वॉक ब्रेक लेते हैं, उनके शरीर में इंसुलिन का लेवल बेहतर रहता है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी काफी हद तक कम होता है।

5. मानसिक थकान होता है दूर

लगातार काम करने से मानसिक थकान होने लगती है और प्रोडक्टिविटी घट जाती है। आधे घंटे बाद अपनी सीट से उठकर थोड़ा टहलने से माइंड में एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे 'फील-गुड' हार्मोन रिलीज होते हैं। यह छोटा सा ब्रेक आपके तनाव को कम करता है, मूड को फ्रेश करता है और फोकस बढ़ाता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

बुधवार 30 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

2 अक्टूबर की ग्राम सभाओं में किया जाएगा एग्रीस्टैक किसान पंजीयन सूची का वाचन

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के परिपालन में बालोद जिले में एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों के शत-प्रतिशत पंजीयन कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार 02 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत सभी किसानों की सूची का सार्वजनिक वाचन और प्रदर्शन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 30 सितंबर 2026 तक एग्रीस्टैक किसान पंजीयन का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें। इसके पश्चात, 02 अक्टूबर को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से पंजीकृत किसानों की सूची प्रदर्शित की जाएगी ताकि जो किसान किसी कारणवश पंजीकृत होने से छूट गए हैं, उनका समय-सीमा के भीतर चिन्हांकन कर पंजीयन कराया जा सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के निर्णयों का पालन करते हुए, जिले में एग्रीस्टैक पोर्टल के तहत पंजीकृत किसानों का विवरण ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से पारदर्शी रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। इस पहल से कृषि एवं संबंधित विभागों (खाद्य, कृषि, एवं सहकारिता) द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ वास्तविक और पात्र किसानों तक त्वरित रूप से पहुँचाना सुनिश्चित होगा।

1 अक्टूबर को होने वाले 'सेवा सेतु शिविर' के स्थान में बदलाव

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे राज्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत ग्रामीण एवं आमजनों तक शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाने के लिए विकासखंडवार 'सेवा सेतु शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जनहित और प्रशासनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 01 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शिविर के स्थल में आंशिक संशोधन किया गया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालोद द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह निर्णय लिया गया है कि बालोद विकासखंड के ग्राम तमोरा में अत्यधिक एवं आकस्मिक वर्षा होने के कारण 1 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाला 'सेवा सेतु शिविर' अब पंचायत भवन, ग्राम लिमोरा में आयोजित किया जाएगा।

01 अक्टूबर को नया शिविर स्थल पंचायत भवन, ग्राम लिमोरा (विकासखंड बालोद) में शिविर आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त, ग्राम लिमोरा को 05 अक्टूबर 2026 को सांकरा में आयोजित होने वाले शिविर से मुक्त कर दिया गया है। पूर्व में जारी आदेश की शेष अन्य सभी शर्तें और तिथियां यथावत रहेंगी। शासन की कल्याणकारी योजनाओं, समस्याओं के त्वरित निवारण और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे संशोधित स्थल (पंचायत भवन, ग्राम लिमोरा) में पहुँचकर आयोजित 'सेवा सेतु शिविर' का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाएं।

मुख्यमंत्री ने की परिवहन विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा

सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने मिशन मोड में करें काम : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में परिवहन विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए प्रदेश में सुरक्षित, सुगम और आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों को न्यूनतम करने के लिए सभी संबंधित विभाग मिशन मोड में समन्वित रूप से कार्य करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल दुर्घटनाओं की संख्या कम करना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली प्रत्येक संभावित जनहानि को रोकना होना चाहिए। इसके लिए दुर्घटना से पहले रोकथाम और दुर्घटना के बाद त्वरित सहायता एवं उपचार—दोनों स्तरों पर व्यवस्था मजबूत करनी होगी। उन्होंने 'जीरो फेटेलिटी' के लक्ष्य की दिशा में परिवहन, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग और नगरीय निकायों सहित सभी संबंधित विभागों को विस्तृत और परिणामोन्मुखी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास से जुड़ा विषय है। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, सुरक्षित सड़क संरचना, यातायात नियमों का प्रभावी पालन, वाहनों की तकनीकी फिटनेस, प्रशिक्षित चालक और दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता जैसे सभी पहलुओं पर एक साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

ब्लैक स्पॉट पर तेजी से हों सुधारात्मक कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक एवं सुरक्षात्मक उपाय प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में राज्य के 23 ब्लैक स्पॉट में सुधार की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने इन कार्यों को तेजी से पूरा करने तथा दुर्घटनाओं के कारणों का नियमित विश्लेषण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटना होने के बाद शुरुआती समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। घायल व्यक्ति तक जितनी जल्दी सहायता और चिकित्सा सुविधा पहुंचेगी, जीवन बचाने की संभावना उतनी ही बढ़ेगी। उन्होंने दुर्घटना की सूचना, एम्बुलेंस की उपलब्धता, नजदीकी अस्पताल तक पहुंच और उपचार की पूरी व्यवस्था के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम-राहत योजना और राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों तक यह संदेश प्रभावी रूप से पहुंचना चाहिए कि सड़क दुर्घटना देखकर घबराएं नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति की सहायता के लिए आगे आएं।



बैठक में बताया गया कि पीएम-राहत योजना के अंतर्गत पात्र सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक 1.50 लाख रुपए तक कैशलेस उपचार की सुविधा का प्रावधान है। वहीं राहवीर योजना सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर सहायता करने वाले नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता से सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार दिलाने में बड़ी मदद मिल सकती है।

दूरस्थ गांवों तक पहुंचे सार्वजनिक परिवहन, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की समीक्षा करते हुए इसे और विस्तार देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्रामीण, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों को प्राथमिकता से चिन्हित किया जाए, जहां अभी नियमित सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का महत्वपूर्ण आधार है। दूरस्थ गांव को बस सेवा से जोड़ने का अर्थ वहां के लोगों के लिए अनेक नए अवसरों के द्वार खोलना है। शासन का प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक भी सुगम, सुरक्षित और सुलभ सार्वजनिक परिवहन सेवा पहुंचे। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत वर्तमान में 13 जिलों के 106 मार्गों पर 107 बसों का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने परिवहन सुविधा से वंचित क्षेत्रों का सर्वे कर नए मार्गों की संभावनाओं का परीक्षण करने और आवश्यकता के अनुसार योजना का विस्तार करने के निर्देश दिए।

कोंटा-जगरगुंडा बस सेवा से दुर्गम क्षेत्र में आसान हुआ सफर

बैठक में दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के सकारात्मक प्रभावों की भी जानकारी दी गई। कोंटा से जगरगुंडा के बीच पहली बार प्रारंभ हुई बस सेवा से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिली है।

बताया गया कि अंदरूनी और सुदूर क्षेत्रों से इस यात्रा में पहले लगभग छह घंटे तक का समय लग जाता था। बस सेवा प्रारंभ होने के बाद यही सफर लगभग 45 मिनट में पूरा हो रहा है। इससे स्थानीय लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी विकास की गति को तेज करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जिन क्षेत्रों में वर्षों तक सार्वजनिक परिवहन सीमित रहा है, वहां नियमित बस सेवा आम नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

पर्यटन मिशन से जुड़े परिवहन विभाग, पर्यटन स्थलों तक बढ़े कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में पर्यटन विकास की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों तक सुरक्षित और सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित करने में परिवहन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने पर्यटन मिशन के साथ परिवहन विभाग की भूमिका को प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश दिए।

शासकीय आश्रय कार्यशाला, बिलासपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन



बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय आश्रय कार्यशाला, बिलासपुर में आज दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट (MMU) के माध्यम से बच्चों और स्टाफ को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच, परामर्श और आवश्यक दवाएँ प्रदान की गईं। शिविर का मुख्य उद्देश्य इन दिव्यांग बच्चों को उनके परिसर में ही सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। मोबाइल मेडिकल यूनिट की ओर से एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर कृतिका अग्रवाल,डॉक्टर प्रज्ञा दुबे, नर्स अंजू, फार्मासिस्ट नवीन और लैब टेक्नीशियन राकेश की टीम ने कार्यशाला के 70 बच्चों और समस्त स्टाफ सहित कुल 101 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जाँच, खून का परीक्षण, दाँतों की जाँच और नेत्र परीक्षण कर उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श व निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं।

इस अवसर पर शाला अधीक्षक श्री सुमित केशरवानी ने बताया कि इस तरह के शिविर दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारने और समय पर बीमारियों की पहचान करने में बेहद मददगार साबित होते हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट की पहुँच से इन बच्चों को अस्पताल ले जाने की असुविधा से राहत मिली है।शिविर को सफल बनाने में शाला के अन्य स्टाफ ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी से साकार हुआ पक्के घर का सपना, शिवप्रसाद भट्ट के जीवन में आई नई खुशियां

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल आवास उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की नई शुरुआत का माध्यम बन रही है। पक्के घर का सपना देखने वाले अनेक परिवारों के लिए यह योजना उम्मीद की किरण बनी है। गौरेला-पेंड्रा- मरवाही जिले के गौरेला के रवान पारा वार्ड क्रमांक 11 निवासी श्री शिवप्रसाद भट्ट का परिवार भी इसका उदाहरण है, जिनका वर्षों से अपने पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पूरा हुआ है।



श्री शिवप्रसाद भट्ट मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। सीमित आमदनी के कारण अपने परिवार के लिए पक्का मकान बनाना उनके लिए लंबे समय तक मुश्किल था। परिवार कच्चे मकान में रहता था, जहां बारिश के मौसम में पानी और अन्य परेशानियों के कारण परिवार को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिलने के बाद श्री शिवप्रसाद ने अपने पक्के घर के सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने योजना की जानकारी लेकर नगर पालिका गौरेला में आवास के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 लाख 30 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई और उनके परिवार के लिए पक्के मकान का निर्माण संभव हो सका।

पक्के घर की सौगात मिलने के बाद श्री शिवप्रसाद और उनका परिवार अब सुरक्षित और बेहतर वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहा है। वे बताते हैं कि पहले कच्चे मकान में बारिश के दौरान काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब पक्की छत मिलने से इन चिंताओं से मुक्ति मिली है। उनके लिए यह मकान सिर्फ ईंट और सीमेंट से बना घर नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ श्री शिवप्रसाद के परिवार को केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से उनकी पत्नी को गैस कनेक्शन प्राप्त हुआ है, जिससे परिवार को स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिली।

राज्योत्सव स्थल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में की चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी





नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर मेला ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव श्री विकासशील के निर्देश पर पर्यटन एवं संस्कृति सचिव डॉ एस भारतीदासन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया।

इस दौरान सीएसआईडीसी के एमडी श्री विश्वेश झा, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, पर्यटन मंडल के एमडी श्री सौमिल रंजन चौबे, एस पी ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, एडीएम श्री उमाशंकर बंदे, एनआरडीए के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आगामी राज्योत्सव के आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने एग्जिबिशन सेंटर, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, शिल्पग्राम, प्रशासनिक भवन, हेलीपैड, पार्किंग जोन, फूड जोन, फन जोन, मुख्य प्रवेश द्वार एवं बस स्टॉप सहित विभिन्न स्थलों को निर्धारित समय पूर्व सुव्यवस्थित करने के संबंध चर्चा की। इस दौरान आयोजन स्थल पर जेसीबी के माध्यम से समतलीकरण कार्य करने, पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, सिटिंग अरेंजमेंट तथा विभिन्न स्टालों की तैयारियों के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई।

सचिव डॉ एस भारतीदासन एवं कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से एस पी ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने राज्योत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग जोन में वाहनों की सुचारू आवाजाही तथा कार्यक्रम स्थल पर भीड़ प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वार एवं निकास मार्गों, पार्किंग क्षेत्रों तथा आगंतुकों के सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक पुलिस बल की तैनाती एवं यातायात व्यवस्था के बेहतर समन्वय पर चर्चा की।

अधिकारियों ने राज्योत्सव में आने वाले नागरिकों एवं आगंतुकों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुव्यवस्थित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान आयोजन स्थल की समस्त व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

रंगोली के रंगों से झलकीं शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत जिले के समस्त शासकीय महाविद्यालयों में भव्य रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'जनकल्याणकारी योजनाएं, राष्ट्रीय प्रतीक एवं विकसित भारत का सपना' रखा गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं व आम नागरिकों में शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूकता का प्रसार करना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को कलात्मक रूप से मंच प्रदान करना था। जिले के शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र यश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कंचन तारम द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं एल.एल.बी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा दुर्गेश्वरी एवं बी.एससी. (बायो) प्रथम सेमेस्टर की छात्रा दीपा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार भक्त माता कर्मा शासकीय कन्या महाविद्यालय बालोद में बी.एससी. पंचम सेमेस्टर की कु. दिव्या प्रथम, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कु. तान्या द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कु. यामिनी साहू तृतीय स्थान पर रहीं।



दल्ली राजहरा, गुंडरदेही एवं गुरूर महाविद्यालय के परिणाम

शासकीय नेमीचंद जैन महाविद्यालय दल्ली राजहरा में एम.ए. हिंदी तृतीय सेमेस्टर की खुशी ने प्रथम एवं संगीता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर की रीना तृतीय स्थान पर रहीं। शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कु. महिमा प्रथम, एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर की कु. सुमन द्वितीय एवं बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर के जय प्रकाश तृतीय स्थान पर रहे। स्व. डारन बाई तारम शासकीय महाविद्यालय गुरूर में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की धारिणी ने प्रथम, बी.कॉम. पंचम सेमेस्टर की यामिनी ने द्वितीय तथा पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की तारिणी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डौंडीलोहारा, डौंडी, अर्जुन्दा एवं बासीन महाविद्यालय के परिणाम

शासकीय एकलव्य महाविद्यालय डौंडीलोहारा में बी.कॉम. पंचम सेमेस्टर की लोकांक्षा साहू प्रथम, देविका पटेल द्वितीय एवं बी.एससी. पंचम सेमेस्टर की सुमन ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं। शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की विद्या रानी प्रथम, बी.एससी. पंचम सेमेस्टर की करीना द्वितीय एवं उम्मी निर्मलकर तृतीय स्थान पर रहीं। शहीद दुर्वासा निषाद शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा में बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर की विभा बांदे प्रथम तथा एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर के मोनिक द्वितीय व अजय कुमार तृतीय स्थान पर रहे।

:- संपादकीय :-

नई सूची रद्द हो

जिस प्रक्रिया से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उस पर तीन में से दो निर्वाचन आयुक्तों का भी भरोसा नहीं रहा, तो नई मतदाता सूची की क्या विश्वसनीयता होगी?मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को जिस तरह आगे बढ़ाया गया, उस पर निर्वाचन आयोग के भीतर गहरे मतभेद थे। निर्वाचन आयुक्तों एस.एस. संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान 14 बार अपनी गंभीर आपत्तियां दर्ज कराईं। एक अंग्रेजी अखबार की खोजी रिपोर्ट के मुताबिक इन आपत्तियों के तहत उन दोनों सदस्यों ने मतदाता सूची से नाम काटने और जोड़ने में मामले में उनको अंधेरे में रखने, नए वोटरों को जोड़ने की ह्यअनधिकृतह्ल प्रक्रिया अपनाने, तथा राज्यों के अधिकारियों को नजरअंदाज करते हुए सारे अधिकार ह्यदिल्ली में केंद्रितह्ल करने की शिकायत की। उन्होंने वोटर सॉफ्टवेयर की साख पर चिंता जताई। यहां तक कि अपनी शिकायतों को लेकर उन्होंने कैबिनेट सचिव का दरवाजा खटखटाया।द एसआईआर को लेकर सार्वजनिक दायरों में जो संदेह और एतराज हैं, उन्हें आयोग के अंदर भी जताया गया। निर्वाचन आयोग के अंदर मतभेद के मामले पहले भी सामने आए हैं, लेकिन जिस स्तर पर एसआईआर के मामले में हुआ, वह अभूतपूर्व है। इसका अर्थ है कि सबकी आपत्तियों को ठुकराते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बुल्डोजरी अंदाज में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। ऐसा वे कैसे कर पाए और इसके लिए उन्हें कहां से ताकत मिली, इस पर अब स्वाभाविक कयास लगाए जाएंगे।जिस प्रक्रिया से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, कई जगहों पर सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी से वैध नाम काटने के तथ्य सामने आए, और नए वोटर शामिल करने की प्रक्रिया पर विपक्षी खेमों से लगातार शक जताए गए, उस पर तीन में से दो निर्वाचन आयुक्तों का भी भरोसा नहीं रहा, तो आखिर नई मतदाता सूची की क्या विश्वसनीयता रहेगी? और क्या इनके आधार पर होने वाले चुनावों पर आम जन का यकीन बना रहेगा? ये अत्यंत गंभीर प्रश्न हैं। इसलिए इस पूरी मशक्कत को पलटने की जरूरत है। नई सूची रद्द कर पुरानी सूची अविलंब बहाल की जानी चाहिए। एसआईआर अगर जरूरी है, तो अब यह अनिवार्य हो गया है कि पहले इसकी प्रक्रिया पर सबको भरोसे में लेकर इसे दोबारा संपन्न किया जाए।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए



एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

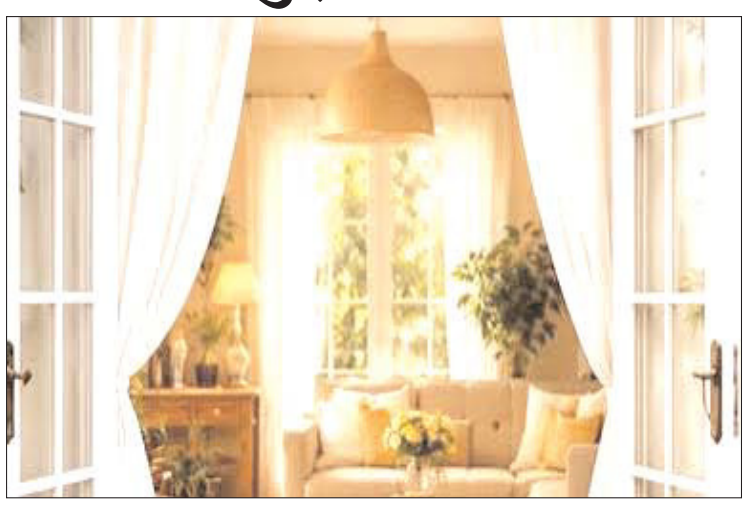
मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

ज्योतिष

नजरिया | अनन्या मिश्रा

घर की खिड़कियां खोलना क्यों है जरूरी? वास्तु में बंद खिड़कियों से जुड़े बताए गए हैं ये नुकसान

हम अपने घर को सुंदर बनाने के लिए महंगे फर्नीचर, पर्दे और सजावटी सामान तो ले आते हैं, लेकिन कई बार एकबहुत ही साधारण सी आदत को नजरअंदाज कर देते हैं और वह है घर की खिड़कियों को नियमित रूप से खोलना। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, धूल-मिट्टी और एसी के इस्तेमाल के कारण बहुत से लोग घरों की खिड़कियों और दारवाजे को दिनभर बंद रखते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र और सेहत दोनों अनुसार, घरों की बंद खिड़कियां आपके जीवन में नकारात्मकता और बीमारियां ला सकती हैं। तो आइए जानते हैं वास्तु में खिड़कियों को बंद रखने से क्या-क्या नुकसान होता है। वास्तु में खिड़कियों का क्या महत्व है ?वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के दरवाजे और खिड़कियां केवल हवा और रोशनी के आने का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये घर में ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं। खिड़कियों को घर की आंखें और फेफड़े माना जाता है। जब खिड़कियां खुलती हैं, तो घर में ताजी हवा के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा और सूर्य



की किरणें प्रवेश करती हैं, जो घर के माहौल को पवित्र और ऊजार्वान बनाती हैं।

बंद खिड़कियों से वास्तु में होने वाले 4 बड़े नुकसान

घर में नकारात्मक ऊर्जा का जमावः जब खिड़कियां लगातार बंद रहती हैं, तो घर के अंदर की पुरानी और बासी हवा बाहर नहीं निकल पाती। वास्तु के अनुसार, इससे घर में 'ठहरी हुई ऊर्जा पैदा होती है, जो नकारात्मकता को बढ़ाती है।

पारिवारिक कलह और चिड़चिड़ापनः जिन घरों में सुबह के समय ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी नहीं आती, वहां रहने वाले लोगों के स्वभाव में चिड़चिड़ापन और तनाव बढ़ने लगता है। छोटी-छोटी बातों पर घर के सदस्यों में आपसी अनबन और कलह का माहौल बनने लगता है।

आर्थिक तंगी और तरक्की में रुकावटः

वास्तु के अनुसार, उत्तर और पूर्व दिशा की खिड़कियों को धन और अवसरों का द्वार माना गया है। अगर ये खिड़कियां हमेशा बंद रहती हैं, तो घर में मां लक्ष्मी की कृपा रुक जाती है। बनते काम बिगड़ने लगते हैं और धन का आगमन प्रभावित होता है।

सेहत पर बुरा असर और सुस्तीः

बंद कमरों में ऑक्सीजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे घर के लोगों में आलस्य, सिरदर्द, अनिद्रा और थकावट बनी रहती है। साथ ही नमी के कारण घर में कीटाणु और सीलन पनपने लगती है।

धर्म

-धर्म- संस्कृति | अजय दीक्षित

जहां भगवान शिव ने भी किया था पिंडदान



भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के होने के बाद पांडवों को ब्रह्मकपाल में जाकर पितरों का श्राद्ध करने का निर्देश दिया। श्रीकृष्ण की आज्ञा से गोत्र वंश की हत्या के पाप से मुक्ति के लिए पांडवों ने ब्रह्मकपाल तीर्थ में अपने वंशजों एवं युद्ध में कालकवलित हुए लोगों का श्राद्ध किया।पितृपक्ष सनातन परंपरा में अपने दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। श्राद्ध का मूल भाव ही श्रद्धा माना गया है। इस दौरान परिजन अपने पितरों का स्मरण कर तर्पण और श्राद्ध कर्म करते हैं। मान्यता है कि पितृपक्ष में किए जाने वाले इन धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से पितरों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।मृत्यु के बाद भले ही व्यक्ति का अपने परिजनों से प्रत्यक्ष संबंध नहीं रहता, लेकिन भारतीय परंपरा में पितरों के प्रति स्मरण और श्रद्धा का भाव बना रहता है। यही वजह है कि शुभ कार्यों से पहले भी पितरों का स्मरण और नमन करने की परंपरा रही है।पितृपक्ष के दौरान पिंडदान और तर्पण का विशेष महत्व है।

भारत में चार स्थानों—गया, काशी, हरिद्वार और बदरीनाथ स्थित ब्रह्मकपाल तीर्थ—में पिंडदान और श्राद्ध करने का माहात्म्य है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जिन्होंने अपने पितरों के निमित्त इन प्रमुख तीर्थों में पिंडदान कर दिया है, उन्हें पितृपक्ष के दौरान केवल तर्पण करना चाहिए। विशेष रूप से बदरीनाथ के ब्रह्मकपाल तीर्थ को लेकर मान्यता है कि यहां पिंडदान करने के बाद किसी अन्य तीर्थ में पिंडदान नहीं किया जाता है।बदरीनाथ मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित ब्रह्मकपाल तीर्थ की मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को मुक्ति मिल जाती है। स्कंद पुराण में ब्रह्मकपाल को गया से आठ गुना अधिक फलदायी पितृ तीर्थ कहा गया है।मान्यता है कि देश में चार स्थानों—गया, काशी, हरिद्वार और ब्रह्मकपाल—में पितरों के निमित्त श्राद्ध कार्य किया जाता है। यदि कोई तीन तीर्थों में किन्हीं कारणों से श्राद्ध नहीं कर पाए तो वह बदरीनाथ स्थित ब्रह्मकपाल में अपने पितरों का उद्धार कर सकता है। यहां पर पितरों का श्राद्ध करने के बाद घरों में तर्पण करने का शास्त्रीय विधान है।ब्रह्माजी का सृष्टि रचना कर्म का प्रयास जब सफल न हुआ तो उन्होंने अपने शरीर को दो भागों में विभक्त कर दिया। उनके शरीर का एक भाग पुरुष और दूसरा भाग स्त्री रूप में परिवर्तित हो गया। पुरुष का नाम मनु और स्त्री का नाम ब्रह्मी रखा गया। इस तरह मनु ब्रह्मा का पुत्र और ब्रह्मी उनकी पुत्री हुई। देवर्षि नारद का ब्रह्माजी को शाप था, जिसके चलते उनके मन में अपनी पुत्री ब्रह्मी के प्रति राग उत्पन्न हुआ। ब्रह्मी का सौंदर्य अप्रतिम था, जिसे देखकर सृष्टिकर्ता स्वयं भ्रमित हो गए। ब्रह्मा के इस रूप को देख शिव अपने गुस्से पर नियंत्रण नहीं रख सके। उन्होंने ब्रह्मा का विचलित पृथक कर दिया। यह सिर उनके हाथ में चिपक गया। मान्यता है बदरीनाथ में जिस स्थान पर यह सिर गिरा, वह ब्रह्मकपाल तीर्थ है। सर्वप्रथम भगवान शिव ने यहां पिंडदान किया।

पांडवों ने भी किया था पिंडदान

भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के होने के बाद पांडवों को ब्रह्मकपाल में जाकर पितरों का श्राद्ध करने का निर्देश दिया। श्रीकृष्ण की आज्ञा से गोत्र वंश की हत्या के पाप से मुक्ति के लिए पांडवों ने ब्रह्मकपाल तीर्थ में अपने वंशजों एवं युद्ध में कालकवलित हुए लोगों का श्राद्ध किया।ब्रह्मकपाल तीर्थ को कपाल मोचन तीर्थ भी कहा गया है। यहां दिवंगतों को मोक्ष मिलता है, इसलिए यह मोक्ष धाम भी है।ऐसी मान्यता है कि जिन पितरों को गया और काशी या अन्य किसी स्थान पर मुक्ति नहीं मिलती, उनको ब्रह्मकपाल तीर्थ में मुक्ति मिलती है। इस तीर्थ में पिंडदान के बाद किसी भी अन्य तीर्थ में श्राद्ध करना वर्जित है।

पुराणों के अनुसार यह स्थान महान तपस्वियों और पवित्र आत्माओं का भी है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार यहां सूक्ष्म रूप में महान आत्माएं बसती हैं।

अटूट आस्था और स्थापत्यकला का अनूठा तीर्थ

मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों ही विराजमान हैं। आध्यात्मिक कक्ष के रूप में प्रतिष्ठित इस कक्ष में भगवान शिव लिंग रूप में और भगवान विष्णु शालिग्राम के रूप में पूज्य हैं

आध्यात्मिक शहर भुवनेश्वर में स्थित लिंगराज मंदिर भारत के पवित्र और भव्य मंदिरों में गिना जाता है। सदियों से अक्षुण्ण धार्मिक परंपराओं का पर्याय यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर में अन्य धर्मों के लोगों का प्रवेश निषेध है। कहते हैं सोमवंशी राजा ययाति ने इस मंदिर का निर्माण ग्यारहवीं सदी में करवाया था। कलिंग शैली में लाल पत्थर से निर्मित यह मंदिर उत्कृष्ट निर्माण शैली का उदाहरण है। मंदिर गर्भगृह युक्त संरचना-विमान, प्रार्थना के लिये-जगमोहन, प्रसाद हेतु बड़े हॉल-भोग मंडप तथा सांस्कृतिक आयोजन के लिए नाट्यशाला यानी चार भागों में विभक्त है।विस्तृत परिसर में फैले मंदिर के प्रांगण में सौ से अधिक मंदिर स्थित हैं। मान्यता है कि यहां



शिव यानी लिंगराज स्वयंभू रूप में विराजमान हैं। इस प्रतिष्ठित मंदिर का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह शैव और वैष्णव संप्रदायों के समन्वय का प्रतीक है।

दरअसल, इस क्षेत्र में भगवान विष्णु के अवतार भगवान जगन्नाथ तथा शिव के मंदिर लिंगराज मंदिर का विकास एक ही समय अवधि के दौरान हुआ था। उल्लेखनीय है कि मंदिर में मौजूद देवता हरि-हारा के नाम से प्रतिष्ठित हैं। यानी हरि से अभिप्रायः भगवान विष्णु और हारा मायने भगवान शिव।लिंगराज मंदिर में पवित्र शिवलिंग के रूप में पूज्य भगवान शिव सर्वोच्च दैवी शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित हैं। मंदिर के स्वरूप में कलिंग स्थापत्य शैली की खूबसूरती दृष्टिगोचर होती है। मंदिर की पचपन मीटर की ऊंचाई इस मंदिर की दिव्यता को भव्यता प्रदान करती है। मंदिर परिसर में स्थित अनेक मंदिर आध्यात्मिक भव्यता को विस्तार देते हैं। दीवारों पर कलात्मक कौशल से अंकित मूर्तियां और शिलालेख उत्कृष्ट कारीगरी का पर्याय हैं।मंदिर में प्रवेश करते समय जिस सिंहद्वार के दर्शन होते हैं, उसके दोनों ओर सिंहों की आकृतियां खूबसूरती से उकेरी गई हैं। ये सिंह वास्तव में शक्ति के प्रतीक हैं, जो मंदिर की आभा को और अधिक द्विगुणित कर देते हैं।इस मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों ही विराजमान हैं। आध्यात्मिक कक्ष के रूप में प्रतिष्ठित इस कक्ष में भगवान शिव लिंग रूप में और भगवान विष्णु शालिग्राम के रूप में पूज्य हैं। मंदिर परिसर में स्थित सभामंडप में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ उठाते हैं। वहीं परिसर में स्थित नाट्यमंडप धार्मिक एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का प्रतीक है। दूसरी ओर, भोगमंडप में प्रसाद एवं नैवेद्य तैयार कर प्रभु को अर्पित किया जाता है और कालांतर में उसे भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

गांव की जरूरत और ग्रामीणों की आवश्यकता अनुसार बनेगी गांव के विकास की रूपरेखा

ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना बनाने जी राम जी के तकनीकी अम्लों का हुआ एक दिवसीय कार्यशाला



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। ज़िले के ग्राम पंचायतो हेतु ग्रामीणों की भागीदारी और गांव की आवश्यकताओं को मिलाकर विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण योजना में बनेगी निर्माण कार्यों की रूपरेखा। गांव में उपलब्ध संसाधन, गांव की वास्तविक ज़रूरतें और भविष्य में रोजगार सृजन के साथ आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को देखते हुए कार्य योजना का निर्माण किया जाना है। इसी अनुक्रम में कलेक्टर कबीरधाम श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार जिले के सभी कार्यक्रम अधिकारियों, तकनीकी सहायकों एवं अन्य मैदानी कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला जिला पंचायत कबीरधाम के सभा कक्ष भवन में आयोजित कर विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने प्रशिक्षित किया गया।

2 अक्टूबर की ग्राम सभा में विकसित ग्राम पंचायत प्लान होगा तैयारः कलेक्टर

कलेक्टर कबीरधाम श्रीमती तुलिका प्रजापति ने बताया कि 2 अक्टूबर की ग्राम सभाओं के द्वारा योजना निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ग्रामीण अपने गाँव की जरूरतों, रोजगार और आजीविका के अवसरो की पहचान कर समस्या और विकास की प्राथमिकताओं को तय करने सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सफल हो और ग्रामीणों की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिले के सभी ग्रामीणों से अपील किया जाता है कि वह 2 अक्टूबर की ग्राम सभा में अपने गांव के विकास प्लान को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्ययोजना निर्माण हेतु सशक्तिकरण,अभिसरण विकास और संतृप्ति है मुख्य लक्ष्यः सीईओ

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाए जाने के लिए यह आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों में योजना अंतर्गत स श क्ति क र ण , विकास,अभिसरण एवं संतृप्ति के स्तंभों पर कार्य किया जाए। जीपीडीपी के साथ वीजीपीपी के पांच चरणों पर समय बद कार्य करने कहा गया। जिसमें सितंबर महा में प्रथम चरण पर ग्राम सभा पूर्व गतिविधियों के तहत मैदानी अम्लों का क्षमता निर्माण किया जा रहा है। दूसरे चरण में 2 अक्टूबर की ग्राम सभा में निर्माण कार्य की योजना ग्रामीणों द्वारा बनाई जाएगी।तत्पश्चात तीसरे चरण में अक्टूबर से नवंबर महीने के बीच परामर्श,प्रविष्टियों के साथ कार्यो का मानचित्रण किया जाएगा। चौथे चरण पर दिसंबर महीने में प्रारूप को ग्राम सभा में अंतिम रूप देते हुए 15 जनवरी तक पांचवें चरण में सभी योजनाओं का संकलन कर सामकेतिक प्लान तैयार करने कहा गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने सभी मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की मांग अनुसार श्रम मूलक कार्यो की स्वीकृति किया जाना है।

अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार 10 किलो 98 ग्राम गांजा बरामद



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों के परिवहन, बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी रखते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए नया बस स्टेण्ड से छिरहा जाने वाले मार्ग पर यादव होटल के पास एक युवक को 10 किलो 98 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी।

मुखबिर की सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस टीम

27 सितम्बर को सिटी कोतवाली पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि नया बस स्टेण्ड से छिरहा जाने वाले मार्ग पर यादव होटल के पास एक युवक काले रंग के बैग में बड़ी मात्रा में गाँजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर गवाहों एवं आवश्यक जांच सामग्री के साथ तत्काल मौके के लिए रवाना होकर यादव होटल के पास पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई।

मौके पर मुखबिर द्वारा बताए हुलिए के अनुसार एक युवक काले रंग का बैग लेकर सड़क किनारे खड़ा मिला, जो पुलिस टीम को देखकर अत्यंत चौंक गया और घबराने लगा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रामू सिंह पिता नेम सिंह, उम्र 22 वर्ष, निवासी शिव मंदिर के पास करनौली, थाना छिबरामऊ नौगोई, जिला कन्नौज, उत्तरप्रदेश बताया।

पुलिस द्वारा नियमानुसार तलाशी कार्यवाही करने पर आरोपी के कब्जे में रखे काले रंग के Safari बैग के अंदर खाकी रंग की झिल्ली एवं टेप से लपेटा हुआ एक पैकेट मिला। पैकेट की जांच करने पर उसमें गाँजा जैसा मादक पदार्थ पाया गया।

पंडरिया में 84 दिव्यांगजनों को ट्राइसिकल और व्हीलचेयर वितरित



जैन समाज एवं भारतीय जैन संघटना की पहल, सेवा कार्य की सर्वसमाज ने की सराहना

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति जयपुर एवं NSC Foundation के प्रायोजन तथा सकल जैन श्री संघ पंडरिया और भारतीय जैन संघटना पंडरिया-कवर्धा के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए ट्राइसिकल एवं व्हीलचेयर वितरण कार्यक्रम जैन भवन पंडरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंडरिया ब्लॉक के दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण वितरित किए गए।

इस अवसर पर 61 दिव्यांगजनों को ट्राइसिकल तथा 23 दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 84 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण मिलने से उनके आवागमन में सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में मदद मिलेगी। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में जैन समाज एवं भारतीय जैन संघटना के इस सेवा कार्य की सराहना की गई।

कार्यक्रम में भारतीय जैन संघटना के डॉ. अतुल जैन एवं अमित बरडिया (कवर्धा) का विशेष सहयोग रहा। वहीं जयपुर से अरविंद मीणा एवं वीरेन्द्र चौधरी ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

शिविर में देवेन्द्र गुप्ता, अशोक चंद्रवंशी, सुमित तिवारी टीकम चंद जैन ,शिखर चंद जैन, एवम शीतल जैन सहित सर्वसमाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने दिव्यांगजनों की सहायता के लिए आयोजित इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में भारतीय जैन संघटना के अध्यक्ष प्रणय जैन, सचिव श्रेयांस जैन, कोषाध्यक्ष श्रेयांस जैन, अमित जैन, महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती लीला देवी जैन, सचिव श्रीमती मधु डाकलिया, हरीश जैन सहित ललित जैन, , महेन्द्र डाकलिया, अशोक लोढ़ा, रूपेश जैन एवं दीपक जैन सहित समाज के सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सेवा संकल्प अभियान के साथ कवर्धा वनमंडल में मनाया जाएगा वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह

2 से 8 अक्टूबर तक भोरमदेव अभयारण्य में होंगे विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप कवर्धा वनमंडल द्वारा 02 से 08 अक्टूबर 2026 तक वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल के निर्देशन एवं भोरमदेव अभयारण्य की अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों, युवाओं, पर्यटकों और आम नागरिकों को वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह का उद्देश्य वन्यजीव, वन एवं जैव विविधता के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को प्रोत्साहित करना तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना है। यह आयोजन प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाएगा।

सप्ताह का शुभारंभ 02 अक्टूबर को सुबह 7 बजे भोरमदेव कार्यक्रम मैदान से वन्यजीव जागरूकता रैली के साथ होगा। रैली के बाद भोरमदेव मैदान से शनि मंदिर तक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

03 अक्टूबर को चिल्फी स्कूल में स्कूली विद्यार्थियों के लिए वन्यजीव जागरूकता सत्र तथा स्थानीय युवाओं के साथ भोरमदेव अभयारण्य में गाइडेड नाइट-लाइफ अनुभव कराया जाएगा।

सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों में प्रतिभा और सपनों की कोई कमी नहीं : भावना बोहरा

भावना दीदी की साइंस पाठशाला विद्यार्थियों के सपनों को दे रही ऊँची उड़ान



पंडरिया / कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल, पंडरिया में 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' की कार्यशाला का विधायक भावना बोहरा ने अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर विज्ञान से जुड़े उनके सवालों, जिज्ञासाओं एवं रुचियों को जाना तथा उनके भविष्य के सपनों और विचारों पर चर्चा की। विधायक ने बच्चों की उत्सुकता और सीखने की ललक का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर कुछ नया सीखने और अपने सपनों को बड़ा रखने के लिए प्रेरित किया।

विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशालाओं में विद्यार्थियों को ड्रोन, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग सहित विभिन्न आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों से परिचित कराया जा रहा है, ताकि ग्रामीण एवं सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी बदलती तकनीकी दुनिया को करीब से समझने और सीखने का अवसर मिल सके। बस में संचालित इस सुविधा के माध्यम से पंडरिया विधानसभा के प्रत्येक शासकीय एवं सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स, ड्रोन और एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान और गणित का प्रैक्टिकल अनुभव (STEM), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), ऑगमेंटेड एवं वर्चुअल रियलिटी (AR/VR) जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी। जिसका मूल उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी शिक्षा के बीच तकनीकी अंतर को समाप्त करना तथा सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाना है। इसके साथ ही प्रतिवर्ष 5000 विद्यार्थियों तक सीधे इसका लाभ पहुँचाना है

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा और सपनों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें सही मार्गदर्शन, आधुनिक शिक्षा और पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की है। हर बच्चे के भीतर कुछ नया करने की क्षमता होती है। किसी बच्चे का सपना इसलिए छोटा नहीं होना चाहिए क्योंकि वह सरकारी स्कूल में पढ़ता है या उसके पास आधुनिक संसाधनों की कमी है। 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के माध्यम से हमारा प्रयास है कि पंडरिया के बच्चों को विज्ञान, तकनीक और नवाचार की आधुनिक दुनिया से जोड़ें, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक अवसर प्रदान करें। आज के यही विद्यार्थी आने वाले भारत की नई शक्ति हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि प्रयोग, अनुभव और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पंडरिया विधानसभा के हमारे बच्चों की प्रतिभा को सही दिशा देकर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि पंडरिया का हर बच्चा अपने सपनों को उड़ान दे, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और आधुनिक शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य की मजबूत नींव रख सके। बच्चों की आंखों में दिखाई देने वाले सपनों को अवसरों की उड़ान देना ही इस पहल का वास्तविक उद्देश्य है। इसी उद्देश्य से हम बेटियों की शिक्षा में कोई बाधा न आए उसके लिए प्रयास किया। आज 10 निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से पंडरिया विधानसभा की बेटियां सुरक्षित एवं सुगम आवागमन मिलने से महाविद्यालय में निश्चिन्त होकर पढ़ने जा रहीं हैं, लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग सेंटर में युवा अपने घर व गाँव के पास ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां कर अपना भविष्य सुरक्षित कर रहें हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हम हर विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शिक्षा और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहें हैं और 1500 से अधिक बेटियों को निःशुल्क बस का लाभ मिलना तथा लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग में कोचिंग प्राप्त करने वाले युवाओं का सैन्य एवं पुलिस बल तथा NEET की परीक्षा उत्तीर्ण करना हमारे लिए गौरव की बात है। भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के माध्यम से शिक्षा को आधुनिक तकनीक और नवाचार से जोड़कर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार सरल क्र. 01 से 05 हेतु दिनांक 05.10.2026, सरल क्र. 06 से 09 हेतु दिनांक 14.10. 2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं.	नि.आ.सू क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)
1	313	हाईस्कूल भवन बघमार, खपरीकला, भाठा, लगरा एवं कोयलारी का विशेष मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। मुंगेली संभाग मुंगेली। मद संख्या – 67/2059/3383**	79.23
2	314	मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या–67-2216-4489**	25.00
3	315	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग भैसमा अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी पेच मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग कोरबा। मद संख्या – 24–3054–1034**	75.00
4	316	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं.–1 कटघोरा अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी पेच मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग कोरबा। मद संख्या – 24–3054–1034**	50.00
5	317	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं.–2 कटघोरा अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी पेच मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग कोरबा। मद संख्या – 24–3054–1034**	50.05
6	318	ब्लॉक स्पॉट के अंतर्गत चिन्हांकित कोटा–लोरमी राज्य मार्ग क्रं. 10 के कि.मी. 40/2 में स्थित ग्राम भौराकछार में ब्लॉक स्पॉट का सुधार एवं मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग क्रं. 2 बिलासपुर। मद संख्या – 24–5054–6485**	13.95
7	319	उपसंचालक कृषि कार्यालय भवन मुंगेली का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या – 67–4401–6984**	142.98
8	320	जिला मुंगेली टी.9टी. (बिलासपुर मुंगेली मार्ग) से गुरूवाईनडबरी ब्लॉक बाउण्ड्री तक कि.मी. 1/4 के लंबाई 145 मीटर का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या – 24–5054–7984**	19.99
9	321	जिला मुंगेली के थाना सिटी कोतवाली परिसर में स्थित पुराना थाना भवन का मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या – 67–4059–6220**	22.08

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते हैं।

जी- 262703554/2

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

कार्यालय सक्षम अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायगढ़, जिला-रायगढ़ (छ0ग0)

''प्रारुप-घ''

{नियम-5 का उपनियम (1)}

अधिसूचना

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202605042100004 बी-121/2025-26 राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 7 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा0) रायगढ़ को अधिसूचना क्रमांक- 1097/अविअ./भू-अर्जन/2026, रायगढ़ दिनांक- 11.05.2026 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमि में एनटीपीसी लारा परियोजना के लिए जल परिवहन द्वारा साराडीह बैराज से भूमिगत पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक- 12.06.2026 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को भी दी गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है।

और उक्त भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है।

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है।

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाइप लाईन के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लगंमो से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी।

अनुसूची

ग्राम- कोतासुरा, प.ह.नं.- 26, तहसील- पुसौर, जिला- रायगढ़ (छ0ग0)

खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे0 में)	खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे0 में)	खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे0 में)
952	0.234	958/2	0.129	963/5	0.157
958/3	0.084	963/1	0.022		
957	0.124	961/1	0.180	963/6	0.076
956/1	0.025	962/2	0.057	928/2	0.008
958/1	0.225	963/4	0.220	963/3	0.016
961/3	0.132	962/1	0.132	963/7	0.162
956/3	0.024	930/2	0.069	कुल प्रभावित खसरा- 19 कुल रकबा- 2.076	

महेश शर्मा
सक्षम अधिकारी
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

जी- 262703570/2

एशियन गेम्स : परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं, ली शू को 5-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा।



निएन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के अंकुश पंघाल और नरेंद्र भी मंगलवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में उतरेंगे। दोनों मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। भारत ने एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में छह मेडल पक्के कर लिए हैं। सोमवार को कपिल पोखरिया, प्रिया घनघस और लवलीना बोरगोहेन ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत के बाद महिलाओं की 60 किग्रा कैटेगरी में मेडल पक्का कर लिया। इससे पहले दिन में, लवलीना ने कोरिया की सियोंग सुयोन के खिलाफ महिलाओं के 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल में 5-0 से मजबूत जीत के साथ अपना मेडल पक्का कर लिया।

रविवार को अंकुश, परवीन और नरेंद्र ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर तीन पदक सुनिश्चित किए थे।

मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सालिमोव को 5-0 के एकमत फैसले से हराकर भारत को मौजूदा गेम्स में अपना पहला बॉक्सिंग मेडल पक्का किया।

इस बीच, परवीन ने भी महिलाओं की 65 किग्रा कैटेगरी में क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर अपना मेडल पक्का किया।

ऑस्ट्रेलिया के दो खिलाड़ी हुए सीरीज से बाहर बोर्ड ने नहीं किया रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर जोएल डेविस भी जोहान्सबर्ग में खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के रूप में फील्डिंग करते समय हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हो गए थे, जिसके चलते वह भी अब इस दौरे से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया बोर्ड ने उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। नाथन एलिस का चोटिल होना ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वह जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टीम के सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे थे।

दूसरे वनडे में सिर्फ 4 ओवर बॉलिंग कर सके नाथन एलिस

दूसरे वनडे मैच में सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद एलिस को साइड स्ट्रेन में दिक्कत महसूस हुई, जिसकी वजह से वह अपना ओवर पूरा करने वापस मैदान पर नहीं आ सके। अब वह अपनी चोट की जांच और रिहैब के लिए वापस देश लौटेंगे, ताकि 13 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही घरेलू वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट हो सकें। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में साउथ अफ्रीका की तरफ से टेम्बा बावुमा और डेविड मिलर ने शतक लगाया था।

नाथन एलिस के बाहर होने के बाद 30 सितंबर को पोचेफस्ट्रूम में होने वाले आखिरी वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास चुनने के लिए सिर्फ चार फिट तेज गेंदबाज ही बचे हैं। शुरुआती दो मैच ना खेलने के बाद अब पैट कमिंस इस मैच के लिए टीम में वापस आ सकते हैं, जबकि दूसरे मैच में आराम दिए जाने के बाद मिचेल स्टार्क भी खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं पहले दो मैच खेलने वाले जोश हेजलवुड को आराम दिया जा सकता है।

श्री चरणी ने रचा इतिहास, ICC रैंकिंग में तोड़ा ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज का ऑल टाइम रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 22 साल की महिला क्रिकेटर श्री चरणी ने T20 इंटरनेशनल क्रिकेट की गेंदबाजी रैंकिंग में नया इतिहास रच दिया है। एशिया कप और एशियन गेम्स में बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर वे 817 रेटिंग पॉइंट्स तक पहुंच गई हैं, जो कि इस फॉर्मेट में किसी भी गेंदबाज का अब तक का सबसे हाईएस्ट रेटिंग पॉइंट है। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के 806 पॉइंट्स के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जो पिछले लगभग आठ सालों से कायम था। श्री चरणी हाल के दिनों में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है।



भारत को 8वीं बार एशिया कप जिताने में श्री चरणी की भूमिका काफी अहम रही, जहां उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 12 विकेट लिए। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में उन्होंने कमाल की गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जिसकी बदौलत भारत ने यह मैच 72 रन से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा T20I विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज भी बन गई हैं। चरणी इस साल अब तक 39 विकेट हासिल कर चुकी हैं।

ICC T20I रैंकिंग में अब तक सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाली महिला गेंदबाज

श्री चरणी (भारत) - 817
मेगन शट (ऑस्ट्रेलिया) - 806
सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) - 802
शबनीम इस्माइल (साउथ अफ्रीका) - 781
शेली निट्श्के (ऑस्ट्रेलिया) - 780

महिला T20I गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट हासिल करने का रिकॉर्ड अब श्री चरणी के नाम हो गया है। इसके बाद मेगन शुट्ट 807 रेटिंग पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं।

ट्रैप शूटिंग में नीरू ने जीता गोल्ड मेडल भारतीय वॉलीबॉल टीम ने कतर को दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में 28 सितंबर का दिन भारत के लिए शानदार रहा। आईची नागोया में जारी एशियन गेम्स के 10वें दिन भारत की शुरुआत काफी अच्छी रही है। नीरू, आशीमा अहलावत और मनीषा कीर ने महिलाओं की ट्रैप शूटिंग टीम स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग के फाइनल में नीरू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए गोल्ड मेडल भी अपने नाम किया। भारत इस एशियन गेम्स में अब तक 5 गोल्ड मेडल समेत 47 पदक जीत चुका है। अब भारत को पुरुषों की ट्रैप टीम से बड़ी उम्मीदें हैं, जो फिलहाल दूसरे स्थान पर बनी हुई है। इससे पहले तीरंदाजी में भी



भारत ने जीत के साथ दिन की शुरुआत की थी। बीते दिन (सोमवार) तक भारत के कुल 45 मेडल हो चुके थे और आज भारतीय खिलाड़ियों की नजर इस आंकड़े को 50 के पार पहुंचाने पर होगी। आज बॉक्सिंग, एथलेटिक्स और शूटिंग से कई पदक आने की उम्मीद है। 10वें दिन भारतीय एथलीट कुल 13 अलग-अलग खेलों में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं।

व्यापार

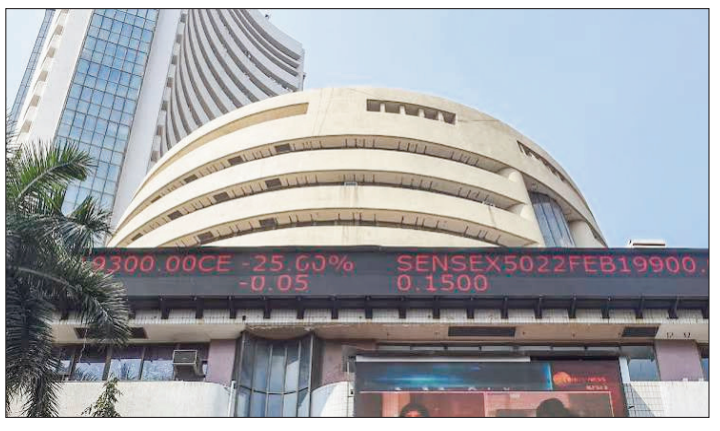
शेयर बाजार की धीमी शुरुआत

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सुस्त शुरुआत के साथ खुले। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच बेंचमार्क इंडेक्स में लगभग 0.2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

सेंसेक्स 138.04 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 72,633.68 पर खुला। इसी तरह, निफ्टी 47.80 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 22,732.45 पर खुला। सेक्टर के हिसाब से देखें तो मंगलवार सुबह के कारोबार में निफ्टी ऑटो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी सीमेंट में 0.64 प्रतिशत तक की गिरावट आई। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और केमिकल इंडेक्स भी नीचे कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल्स और हेल्थकेयर शेयरों में बढ़त देखी गई, जिसमें निफ्टी फार्मा और निफ्टी 500 हेल्थकेयर में लगभग 1 प्रतिशत तक की तेजी आई।

जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण ग्लोबल मैक्रो माहौल इक्विटी के लिए प्रतिकूल बना हुआ है, जिससे चिंताएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, ब्रेंट क्रूड के 106 डॉलर से ऊपर रहने और अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड के 5.23 प्रतिशत पर होने के कारण ग्लोबल मैक्रो स्थिति इक्विटी बाजारों के लिए प्रतिकूल बनी हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों ने कहा कि लार्ज-कैप ग्रोथ शेयरों के आकर्षक वैल्यूएशन से लॉन्ग-टर्म निवेशकों को खरीदारी के मौके मिल सकते हैं।

उनके अनुसार, 23,000 के स्तर से नीचे आने के बाद शॉर्ट-टर्म स्थिति मंदी वाली (बेयरिश) बनी हुई है और



डेरिवेटिव्स की स्थिति भी अधिक सावधानी का संकेत दे रही है।

निफ्टी के लिए तत्काल सपोर्ट 22,650-22,700 के स्तर पर देखा गया, जबकि रेजिस्टेंस 22,950-23,000 के स्तर पर था। इसके अलावा, एक्सचेंज के शुरुआती आंकड़ों से पता चला है कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार तीसरे सत्र में नेट सेलर बने रहे और सोमवार को 5,353 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने समर्थन जारी रखा और नेट बायर बने रहे, साथ ही 5,189 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इसके अलावा, इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 106.87 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 93.99 डॉलर पर था। एशियाई शेयर बाजार भी दबाव में थे; शुरुआती कारोबार में जापान का निक्केई, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का केओएसपीआई 1 प्रतिशत तक गिरे।

सोमवार रात यूएस शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें एसएंडपी 500 में 0.77 प्रतिशत और नैस्डैक में 0.92 प्रतिशत की गिरावट आई।

सीबीडीटी ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट की समयसीमा बढ़ाकर 21 अक्टूबर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को उन करदाताओं को बड़ी राहत दी है, जिनके खातों का ऑडिट आयकर अधिनियम, 1961 के तहत अनिवार्य है। बोर्ड ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी है।

सीबीडीटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इस फैसले के साथ टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की निर्धारित तिथि भी 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी।

पिछले कुछ सप्ताहों से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संगठनों और कर विशेषज्ञों द्वारा समयसीमा बढ़ाने की मांग की जा रही थी। उनका कहना था कि ऑडिट प्रक्रियाओं को पूरा करने, विभिन्न वित्तीय और कर रिकॉर्ड्स का मिलान करने तथा आवश्यक खुलासों (डिस्क्लोजर) का सत्यापन करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

सीबीडीटी का मानना है कि समयसीमा बढ़ाने से करदाताओं और ऑडिटरों को ऑडिट प्रक्रिया पूरी करने तथा आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर आवश्यक रिपोर्ट और रिटर्न दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

इससे अनुपालन को आसान बनाने और कारोबार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

ईजीआर को बढ़ावा देने एनएसई ने ऑगमोंट को बनाया साझेदार

मुंबई (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) को बढ़ावा देने के लिए ऑगमोंट गोल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड को प्रमुख साझेदार के रूप में अपने पैनल में शामिल किया है। साझेदारी का उद्देश्य फिजिकल गोल्ड को ईजीआर में बदलने और जरूरत पर दोबारा फिजिकल गोल्ड में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। ऑगमोंट गोल्ड वैल्यू चेन में अपने अनुभव के आधार पर तकनीकी और जमीनी सहयोग देगा। ईजीआर डिमैट रूप में रखी जाने वाली प्रतिभूतियां हैं, जो सेबी से मान्यता प्राप्त वॉल्ट में सुरक्षित फिजिकल गोल्ड पर आधारित होती हैं और एक्सचेंज पर कारोबार की जा सकती हैं। एनएसई के अनुसार, साझेदारी से गोल्ड ट्रेडिंग में पारदर्शिता, बेहतर मूल्य खोज और बाजार भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का क्लेम सेटलमेंट रेशियो 99.31%

मुंबई (एजेंसी)। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 99.31 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो दर्ज किया। कंपनी के अनुसार, आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर यह प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में सर्वाधिक है। इस अवधि में कंपनी ने व्यक्तिगत मृत्यु दावों के तहत 414.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया।



प्रति दावे का औसत मूल्य करीब 15 लाख रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि बिना जांच वाले मामलों में अंतिम दस्तावेज मिलने के बाद औसतन एक दिन में क्लेम का निपटारा किया गया। 'क्लेम फॉर श्योर' पहल के तहत पात्र दावों में करीब 75 करोड़ रुपए का भुगतान एक दिन के भीतर किया गया। कंपनी के मुताबिक, मोबाइल ऐप, व्हाट्सऐप, चैटबॉट और वेबसाइट के जरिए ग्राहक क्लेम दर्ज और ट्रैक कर सकते हैं।

अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाएगा भारतीय कंपनी समूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जन्मे रेवंत रुइया के परिवार ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में आयोवा में एक नए स्टील प्लांट की योजना की घोषणा की है। रुइया ने अमेरिका में स्टील के क्षेत्र में प्रस्तावित निवेश को 'घर वापसी' जैसा बताया।

रुइया ने व्हाइट हाउस में हुए एक कार्यक्रम में कहा, हालांकि मेरा जन्म भारत में हुआ था, लेकिन मैंने न्यूयॉर्क में हाईस्कूल और बोस्टन में कॉलेज की पढ़ाई की और कैलिफोर्निया से एमबीए किया।

मैंने अपनी जिंदगी का आधा हिस्सा यहीं बिताया है, इसलिए आज इस निवेश की घोषणा करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और यह मेरे लिए सचमुच घर वापसी जैसा है।

परिवार की योजना मिनेसोटा में मौजूद एक आयरन ओर (लौह अयस्क) खदान को दक्षिण-पूर्वी आयोवा में बनने वाले प्रस्तावित स्टील कॉम्प्लेक्स से जोड़ने की है। जब ट्रंप ने एस्सार ग्रुप के



फाउंडर रवि रुइया से कुल लागत के बारे में पूछा, तो उन्होंने निवेश की रकम लगभग 18 अरब डॉलर बताई।

कार्यक्रम के दौरान बताए गए अन्य आंकड़े अलग-अलग थे। कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक ने 2.5 अरब डॉलर की खदान और 15 अरब डॉलर के स्टील प्लांट का जिक्र किया, जो कुल मिलाकर 17.5 अरब डॉलर होता है। रेवंत रुइया ने कहा कि परिवार खदान में 3 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। किसी ने भी इन अनुमानों में अंतर की वजह नहीं बताई।

ट्रंप ने कहा कि आयोवा प्लांट में मिनेसोटा से मिलने वाले अयस्क का इस्तेमाल करके हर साल 1 करोड़ टन स्टील का उत्पादन किया जाएगा।

उन्होंने अनुमान लगाया कि इससे निर्माण कार्य में 6,000 तक और मैन्युफैक्चरिंग व माइनिंग में लगभग 2,000 नौकरियां पैदा होंगी। ये अनुमान उस प्रोजेक्ट के लिए हैं जिसमें स्टील का उत्पादन अभी शुरू होना बाकी है।

रुइया परिवार के लिए इस घोषणा ने भारत और विदेशों में खड़े किए गए उनके पारिवारिक कारोबार को ट्रंप की उस मुहिम के केंद्र में ला दिया है, जिसका मकसद अमेरिका में स्टील का उत्पादन बढ़ाना है। रवि रुइया ने कहा कि उन्होंने और उनके भाई शशि ने दशकों पहले एस्सार की शुरुआत की थी और स्टील प्लांट, रिफाइनरी, पोर्ट और बिजली संयंत्र बनाए थे।

रवि रुइया ने कहा, अब हमने अमेरिका में अपने कारोबार का अगला बड़ा अध्याय शुरू करने का फैसला किया है।

देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल यात्रियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को मंजूरी मिल गई है। यह हाईस्पीड ट्रेन वाराणसी और नई दिल्ली के बीच चलेगी। खास बात यह है कि इस ट्रेन का ठहराव कानपुर सेंट्रल और प्रयागराज में भी होगा। इससे पूर्वांचल, मध्य उत्तर प्रदेश और औद्योगिक शहर कानपुर के यात्रियों को दिल्ली और वाराणसी के बीच सफर करने का नया ऑप्शन मिलेगा।

प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन वाराणसी से रात 8:40 बजे रवाना होगी, जो ट्रेन रात 10:05 बजे प्रयागराज और करीब 11:50 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन सुबह करीब 4:50 बजे नई दिल्ली पहुंच जाएगी। इस तरह वाराणसी से दिल्ली का सफर लगभग 8 घंटे 10 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है।

वापसी की प्रस्तावित टाइमिंग के मुताबिक ट्रेन नई दिल्ली से रात 11:25 बजे चलेगी।

पोषण प्रदर्शनी ने खींचा ध्यान
कुटेना में सेवा संकल्प अभियान का संदेश



गरियाबंद/छुरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम कुटेना के केंद्र क्रमांक 1, 2, 3 एवं 4 में आंगन मिलन उत्सव का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया।

कार्यक्रम में पोषण जागरूकता, बच्चों के समग्र विकास और गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। आयोजन के दौरान लगाई गई पोषण प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी लेते हुए पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पोषण प्रदर्शनी के जरिए दिया स्वस्थ आहार का संदेश

आंगन मिलन उत्सव के दौरान विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं शिशुवती माताओं के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार की आवश्यकता को समझाया गया। पांच फूड ग्रुप, स्वास्थ्य एवं पोषण तथा संतुलित आहार से संबंधित जानकारी भी उपस्थित लोगों को दी गई।

प्रदर्शनी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि परिवार के दैनिक भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों को शामिल करना बच्चों के बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है।

ग्रामीणों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर पोषण संबंधी जानकारी प्राप्त की।

प्रथम 1000 दिवस को बताया विकास की नींव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकीकृत बाल विकास परियोजना छुरा के परियोजना अधिकारी ने सेवा संकल्प अभियान और आंगन मिलन उत्सव के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन के प्रथम 1000 दिनों को बच्चे के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि गर्भावस्था से लेकर बच्चे के शुरुआती वर्षों तक उचित पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और आवश्यक सेवाएं उसके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की नींव तैयार करती हैं।

उन्होंने "हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा" अभियान के साथ-साथ संतुलित आहार, पांच फूड ग्रुप और बच्चों के समग्र विकास से जुड़े विषयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परिवार और समुदाय की सक्रिय सहभागिता से ही बच्चों को बेहतर पोषण और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।

कार्यकर्ताओं के योगदान को किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों के कार्यों को रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों एवं माताओं तक स्वास्थ्य, पोषण और जागरूकता संबंधी सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आंगन मिलन उत्सव में ग्राम पंचायत की सरपंच, पंचगण, भाजपा महिला मोर्चा एवं मंडल की महिला पदाधिकारी, हितग्राही, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समुदाय की भागीदारी से मजबूत होगा पोषण अभियान

कार्यक्रम के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, ग्रामीण समुदाय और आंगनबाड़ी केंद्रों के बीच सहभागिता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। उपस्थित लोगों ने पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित स्वास्थ्य एवं पोषण गतिविधियों की सराहना की।

आयोजन का मुख्य संदेश यही रहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य की शुरुआत घर से होती है और इसके लिए परिवार के साथ-साथ पूरे समुदाय की भागीदारी आवश्यक है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आंगन मिलन उत्सव ने ग्रामीणों को पोषण, स्वास्थ्य और बच्चों के शुरुआती विकास को लेकर जागरूक करने के साथ सामुदायिक सहभागिता का संदेश भी दिया।

वार्ड 14-15 में भव्य 'आंगन मिलन समारोह' आयोजित

गरियाबंद। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में भव्य एवं गरिमामय 'आंगन मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। समारोह का उद्देश्य मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वार्ड क्रमांक 14 की पार्षद पुष्पा साहू एवं वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद सूरज सिन्हा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की मजबूत नींव हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और जनजागरूकता पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरस्वती ठाकुर, सहायिका रोहणी निर्मलकर तथा वार्ड 14-15 की मितानिन सीमा गुप्ता का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करते हुए गोद भराई रस्म का आयोजन भी किया गया। स्वस्थ बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की गई। इस अवसर पर पुष्पा साहू, मिलेश्वरी साहू, सूरज सिन्हा, मंजरी गुप्ता, सरिता साहू, अर्चना उपाध्याय, माही यादव, शशिप्रभा सिन्हा, कृष्ण सिन्हा, तुलसी सिन्हा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

धान उपार्जन केंद्र में खुले में सड़ रहा लाखों का भूसा, रखरखाव पर उठे सवाल



फटे-पुराने तिरपाल से ढककर छोड़ा गया भूसा, बारिश में भीगने से खराब होने का आरोप; ग्रामीणों ने जांच और कार्रवाई की मांग की

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के गुजारा स्थित धान उपार्जन केंद्र में लाखों रुपये मूल्य का भूसा खुले में पड़े-पड़े खराब होने का मामला सामने आया है। भूसे के रखरखाव में कथित लापरवाही को लेकर ग्रामीणों ने मंडी प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि पर्याप्त सुरक्षा और उचित भंडारण की व्यवस्था नहीं होने के कारण भूसा बारिश में भीगकर सड़ रहा है, जिससे समिति को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

ग्रामीणों के अनुसार, धान उपार्जन केंद्र परिसर में बड़ी मात्रा में भूसा खुले स्थान पर रखा गया है। इसे बारिश से बचाने के लिए फटे-पुराने तिरपाल का इस्तेमाल किया जा रहा है। तिरपाल जगह-जगह से खराब होने के कारण भूसा पूरी तरह ढका नहीं रह पाता। बारिश का पानी अंदर पहुंचने से भूसा लगातार खराब हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते भूसे के सुरक्षित भंडारण और रखरखाव की व्यवस्था नहीं की गई तो बड़ी मात्रा में सामग्री बर्बाद हो सकती है। इससे समिति को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच करने की मांग की है।

जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने कहा कि सरकारी एवं समिति की संपत्ति के रखरखाव में इस तरह की लापरवाही गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय करने और लापरवाही सामने आने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि धान उपार्जन केंद्र जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था में सामग्री के रखरखाव को लेकर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मामले की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भूसे के खराब होने के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

इस मामले की जानकारी अभी प्राप्त हुआ है जल्द इस मामले पर संज्ञान ले कर लापरवाही कर्मचारी पर विधिवत कार्रवाई होगी।

- नीलकमल साहू
ब्रांच मैनेजर गरियाबंद

प्रमाण पत्र के चक्कर में उलझा छात्रों का भविष्य : गुरूर तहसील में आय, जाति और निवास के लिए दर-दर भटक रहे पालक

बालोद/गुरूर (दैनंदिनी ब्यूरो)। शैक्षणिक सत्र के साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की समय-सीमा जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, बालोद जिले की गुरूर तहसील क्षेत्र के अभिभावकों की चिंताएं गहराती जा रही हैं। अपने बच्चों के आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पालकों को रोज कलेक्टोरेट और तहसील कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। एक तरफ स्कूलों द्वारा दिए गए अल्टीमेटम की तलवार लटक रही है, तो दूसरी तरफ प्रशासनिक लेटलतीफी के कारण आवेदनों की फाइलें दफ्तरों की धूल फांक रही हैं।



स्कूलों में छात्रवृत्ति, निशुल्क प्रवेश और अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बेहद अनिवार्य दस्तावेज हैं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर यदि ये प्रमाण पत्र विद्यालय प्रशासन को नहीं सौंपे गए, तो पात्र और मेधावी बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों तथा सुविधाओं से वंचित होना पड़ सकता है। पालकों में इस बात को लेकर तीव्र आक्रोश और डर है कि प्रशासनिक ढिलाई और लालफीताशाही की सजा मासूम स्कूली बच्चों को भुगतनी पड़ रही है।

तहसील परिसर में रोजाना सुबह से ही अभिभावकों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कई बार सर्वर की खराबी, तो कभी कर्मचारियों की गैर-मौजूदगी के कारण पालकों को बिना काम कराए ही खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। लगातार दफ्तरों की दौड़भाग करने से आम जनता का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। पालकों का कहना है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उन्हें सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाई जा रही है, जबकि धरातल पर काम की गति बेहद धीमी बनी हुई है।

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला एवं तहसील प्रशासन से गुहार लगाई है कि अटके हुए आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाए। पालकों ने मांग की है कि यदि आवश्यक हो तो स्कूलों की डेडलाइन को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत या तहसील स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि सभी विद्यार्थियों के आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर बन सकें। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार महकमा इस गंभीर समस्या पर कब संज्ञान लेता है और विद्यार्थियों के हित में राहत प्रदान करता है।

नगरीय निकाय कर्मचारियों ने 18 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवनियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ ने नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम अपर कलेक्टर जिला बालोद को 18 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा।

संघ ने ज्ञापन के माध्यम से नगरीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के निराकरण और सेवा संबंधी मांगों पर शासन का ध्यान आकर्षित कराया। संघ की प्रमुख मांगों में ओल्ड पेंशन योजना लागू करने तथा कर्मचारियों को नियमित रूप से समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। इसके अलावा कर्मचारियों से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान को लेकर भी 18 सूत्री मांगें रखी गई हैं।



संघ पदाधिकारियों ने कहा कि नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए स्थानीय निकायों की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी सेवा संबंधी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ की ओर से विशाल राम साहू, आशीष गौतम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिव महापुराण सुनने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं : आचार्य महेंद्र कृष्ण शास्त्री



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। गौरेला नगर में धर्म और भक्ति की अविरल धारा बह रही है। पांडेय परिवार द्वारा अपने निज निवास पर पवित्र शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

कथा का शुभारंभ भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ, कलश यात्रा कथा स्थल से दुर्गा शंकर मंदिर होते हुए नगर भ्रमण के बाद पुनः कथा स्थल पहुँची जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया। ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया।

कथा के लिए प्रसिद्ध कथावाचक पंडित महेंद्र कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से प्रतिदिन दोपहर शाम 4:00 बजे से कथा का रसपान कराया जा रहा है। कथा वाचक आचार्य महेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि स्कंद पुराण के अनुसार शिव महापुराण सुनने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। जो मनुष्य सच्चे मन से शिव कथा सुनता है, उसके जीवन में भक्ति, शांति आती है और समस्त संकटों से मुक्ति मिलती है। महादेव ही सृष्टि के आदि और अंत हैं। आयोजक राजू पांडेय एवं आयुष पांडेय ने बताया कि "शिव कथा सुनने से मन में भक्ति, जीवन में शांति और हर संकट से मुक्ति मिलती है।" इसी उद्देश्य से इस कथा का आयोजन किया गया है।

रावघाट से नागपुर तक सीधी ट्रेन चलाने की मांग

- फिरोज अहमद खान

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के दक्षिण वनांचल बस्तर सहित बालोद जिले को महाराष्ट्र के प्रमुख व्यापारिक, शैक्षणिक और चिकित्सीय केंद्र नागपुर से सीधे रेल मार्ग द्वारा जोड़ने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग से करबद्ध निवेदन किया है कि बस्तर संभाग के रावघाट से नागपुर तक एक नई सीधी ट्रेन सेवा शीघ्र शुरू की जाए।

भारतीय रेलवे ने लौह अयस्क की आपूर्ति के उद्देश्य से बस्तर के रावघाट और नारायणपुर तक रेलवे लाइन का निर्माण कर इसे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ा है। इस रेल लाइन के शुरू होने से बड़े स्टील कारोबारियों और उद्योग जगत को भारी आर्थिक लाभ मिल रहा है। हालांकि, स्थानीय नागरिकों का मानना है कि केवल मालगाड़ियों के संचालन तक सीमित रहने के बजाय, यदि इस मार्ग पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू किया जाए, तो बस्तर के आदिवासियों और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सकेगा।

वर्तमान ट्रेन समय सारणी और एक घंटे से अधिक का समय अंतराल

दुर्ग से नागपुर मार्ग पर वर्तमान में संचालित मुख्य ट्रेनों की समय सारणी निम्नानुसार है जिनमें

ट्रेन संख्या 18030 (शालीमार - मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस): दुर्ग से सुबह 07:50 बजे प्रस्थान कर दोपहर 13:15 बजे नागपुर पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 12409 (गोंडवाना सुपरफास्ट एक्सप्रेस - रायगढ़ से हजरत निजामुद्दीन जंक्शन): दुर्ग से सुबह 08:35 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12:35 बजे नागपुर पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 12810 (हावड़ा - मुंबई सीएसएमटी मेल): दुर्ग से सुबह 09:40 बजे



प्रस्थान कर दोपहर 13:55 बजे नागपुर पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 12130 (आजाद हिंद एक्सप्रेस - हावड़ा जंक्शन से पुणे जंक्शन): दुर्ग से सुबह 11:45 बजे प्रस्थान कर दोपहर 15:50 बजे नागपुर पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 12834 (हावड़ा अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस): दुर्ग से दोपहर 14:35 बजे प्रस्थान कर शाम 18:55 बजे नागपुर पहुंचती है।

नागपुर से दुर्ग की ओर लौटने के लिए प्रमुख ट्रेनें

ट्रेन संख्या 12833 (अहमदाबाद - हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस): नागपुर से शाम 18:05 बजे प्रस्थान कर रात 22:30 बजे दुर्ग पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 12859 (गीतांजलि एक्सप्रेस - मुंबई से हावड़ा जंक्शन): नागपुर से शाम 19:00 बजे प्रस्थान कर रात 22:50 बजे दुर्ग पहुंचती है।

विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि सुबह के समय ट्रेन संख्या 12409 (गोंडवाना सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सुबह 08:35 बजे) और ट्रेन संख्या 12810 (हावड़ा - मुंबई मेल, सुबह 09:40 बजे) के बीच दुर्ग स्टेशन पर एक घंटे से अधिक का समय अंतराल मौजूद है। इस समय अंतराल का सदुपयोग करते हुए रेलवे प्रशासन रावघाट से नागपुर के बीच एक नई सीधी ट्रेन आसानी से चला सकता है।

व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा को मिलेगी नई ऊर्जा

रावघाट से नागपुर के बीच सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने से रावघाट, ताड़ोकी, अंतागढ़, केंवटी, भानुप्रतापपुर, दल्ली राजहरा, बालोद, गुंडरदेही, मरौदा, दुर्ग जंक्शन, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, तुमसर, भंडारा और नागपुर जंक्शन जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन सीधे आपस में जुड़ जाएंगे।

इस नई ट्रेन सेवा से अंतागढ़, नारायणपुर, भानुप्रतापपुर, डौंडी, दल्ली राजहरा, बालोद व गुंडरदेही के स्थानीय व्यापारियों के लिए नागपुर का बड़ा व्यापारिक बाजार सुलभ हो जाएगा। नागपुर मध्य भारत का एक बड़ा व्यावसायिक केंद्र है, जहाँ से दैनिक उपभोग की वस्तुएं, कपड़े, कृषि उत्पाद, कृषि उपकरण, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक सामान बस्तर क्षेत्र तक सुगमता से पहुंच सकेंगे।

इसके अलावा, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से नागपुर में स्थित एम्स और अन्य सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल बस्तर और कांकेर क्षेत्र के ग्रामीण व आदिवासी मरीजों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में सीधी ट्रेन न होने के कारण गंभीर मरीजों को दुर्ग या रायपुर आकर ट्रेन बदलनी पड़ती है या निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों का भारी नुकसान होता है। सीधी रेल सेवा मिलने से मरीजों को त्वरित इलाज मिल सकेगा।

शैक्षणिक दृष्टि से भी बस्तर, कांकेर और बालोद जिले के हजारों छात्र उच्च शिक्षा के लिए नागपुर और महाराष्ट्र के अन्य शहरों का रुख करते हैं। सीधी ट्रेन सेवा से इन विद्यार्थियों का आवागमन सुरक्षित, सुगम और किफायती हो जाएगा।

जनहित में शीघ्र निर्णय लेने की अपील

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने केंद्र सरकार और रेलवे बोर्ड से मांग की है कि बस्तर की समृद्ध खनिज संपदा का लाभ देश के उद्योगों को देने के साथ-साथ, यहाँ के निवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाए। रावघाट-नागपुर सीधी रेल सेवा बस्तर के आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने और पूरे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव (छ०ग०)

!! निविदा सूचना !!

क्रमांक 675 विद्युत / नि0-2026-27 राजनांदगांव दिनांक 22/09/2026

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के अधिनस्थ विद्युत विभाग में निम्न कार्य हेतु मैनूअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1.	नगर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्डो में स्थापित स्ट्रीट लाईट हेतु 6 एम एम. सिंगल कोर केबल एवं हाई मास्ट हेतु 4 एम.एम. 4 कोर कॉपर केबल क्रय कार्य।	5.29	13-10-2026

उपरोक्त कार्य की निविदा से संबंधित सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तुत निविदा, विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के तकनिकी शाखा विद्युत विभाग एवं वेबसाई www.mcrjn.com से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, राजनांदगांव

1 से 3 नवम्बर तक आयोजित होगा राज्योत्सव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने तथा विभागीय प्रदर्शनी की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 22 अक्टूबर तक विभागवार तैयारियों एवं प्रदर्शनी की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने राज्योत्सव को केंद्रीय थीम आधारित स्वरूप में आयोजित करने पर जोर दिया। इसमें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मानव पूंजी विकास, विकसित भारत, अंजोर छत्तीसगढ़ जैसे विषयों के साथ भविष्य की दिशा और विकास पर फोकस रखने के निर्देश दिए। राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 40 राज्य स्तरीय अलंकरण एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। संस्कृति



विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। राज्य स्तरीय आयोजन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर (मेला ग्राउंड) नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम-तूता में प्रस्तावित है। **विभागों को दी गई प्रमुख जिम्मेदारियां**-सीएसआईडीसी, एनआरडीए, लोक निर्माण विभाग को मेला स्थल का ले-आउट, स्टॉल आंबटन, विकास प्रदर्शनी की व्यवस्था, मुख्य मंच, डोम, पंडाल, बैठक एवं बैरिकेटिंग की जिम्मेदारी दी गई है। जनसंपर्क विभाग एवं चिप्स द्वारा प्रचार-प्रसार और हाईटेक मीडिया सेंटर की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम रायपुर एवं एनआरडीए नागरिक सुविधाओं, सिटी बस, पेयजल एवं स्वच्छता की व्यवस्था करेंगे। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग सुरक्षा, यातायात, पार्किंग एवं अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। स्वास्थ्य एवं ऊर्जा विभाग चिकित्सा, एंबुलेंस तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करेंगे। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चम्पावत, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव श्री बसवराजु एस., सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव श्री भूवनेश यादव, श्रम विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्री राजेश सिंह राणा, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री सारांश मित्तर, रायपुर जिले के कमिश्नर एवं कलेक्टर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजधानी में बड़े बिल्डर के कई ठिकानों पर GST का छापा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में जीएसटी विभाग ने बड़े बिल्डर्स के कई ठिकानों पर छापा मारा है. अधिकारियों की टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरणों को जब्त किया है. बताया जा रहा है कि पिछले दो दिनों से कार्रवाई जारी है. जानकारी के मुताबिक, टीम को बड़े बिल्डर्स द्वारा जीएसटी चोरी की सूचना मिली थी, जिसके बाद छापा मारा गया है. जीएसटी विभाग के 7 अधिकारियों की टीम कार्रवाई के लिए पहुंची हुई है. चौबे कॉलोनी और आमानाका क्षेत्र स्थित रेसिडेंशियल्स में भी छापेमारी की गई है.

दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त- कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज, बोगस बिल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है. GST विभाग की टीम अलग-अलग ठिकानों पर दस्तावेजों और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कर रही है. फिलहाल GST विभाग की कार्रवाई जारी है. छापेमारी पूरी होने के बाद ही जांच में सामने आए तथ्यों और संभावित GST चोरी की राशि को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी.



एमएसएमई विकास में कानून-व्यवस्था, सड़क और त्वरित स्वीकृतियां जरूरी : विजय शर्मा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के दो दिवसीय एमएसएमई कॉन्क्लेव 2.0 का सोमवार को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने शुभारंभ किया। "नवाचार एवं सतत औद्योगिक विकास द्वारा एमएसएमई का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव में पहले दिन 250 से अधिक उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, वित्तपोषण, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और औद्योगिक विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। उद्घाटन सत्र में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और आर्थिक विकास में छोटे उद्योगों, कारखानों और कार्यशालाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। एमएसएमई के विकास के लिए बेहतर कानून-व्यवस्था, सुगम सड़क संपर्क और त्वरित स्वीकृतियां जरूरी हैं। राज्य सरकार इन क्षेत्रों में बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन की उद्योग नीति में एमएसएमई के साथ समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि राज्य की औद्योगिक विकास नीति के केंद्र में एमएसएमई हैं। सरकार का प्रयास है कि बस्तर और सरगुजा सहित दूरस्थ क्षेत्रों के उद्यमियों को उद्योग स्थापना और संचालन से जुड़ी सेवाएं उतनी ही सहजता और तेजी से मिलें, जितनी राजधानी रायपुर में उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में तैयार भूमि और प्लग-एंड-प्ले अधोसंरचना विकसित होने से छोटी औद्योगिक इकाइयों को तेजी से उत्पादन शुरू करने में मदद मिलेगी। सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के चेयरमैन एवं बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक बजरंग गोयल ने एमएसएमई को राज्य की औद्योगिक मूल्य-श्रृंखला की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि सीआईआई उद्योग और शासन के बीच सेतु की भूमिका निभाता रहेगा। सीआईआई एमएसएमई पैनल के संयोजक आदित्य मूंदड़ा ने तकनीक, वित्त और अनुपालन सुधार को एमएसएमई विकास के तीन प्रमुख आधार बताया। वहीं सीआईआई राज्य परिषद के वाइस चेयरमैन आनंद सिंघानिया ने आभार जताया। "एमएसएमई विकास का वित्त पोषण" सत्र में भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त सचिव विनम्र मिश्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 से अब तक 7.3 करोड़ से अधिक उद्यम पंजीयन हुए हैं और क्रेडिट गारंटी योजना में एक करोड़ गारंटी का आंकड़ा पार हो चुका है। उन्होंने अप्रैल 2025 से लागू संशोधित एमएसएमई वर्गीकरण सीमाओं की भी जानकारी दी।

अब घर बैठे एक क्लिक में कराएं जमीन का सीमांकन तहसील दफ्तरों के चक्करों से मिली आजादी!

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्य में नागरिक सुविधाओं को सुगम, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के राजस्व एवं भू-अभिलेख विभाग ने जमीन के सीमांकन संबंधी प्रकरणों के त्वरित और सहज निपटारे के लिए एक नया ऑनलाइन पोर्टल विकसित कर लागू कर दिया है। इस आधुनिक व्यवस्था के शुरू होने से अब आम नागरिकों को अपनी ही जमीन की नाप-जोख या सीमांकन कराने के लिए तहसील कार्यालयों के बार-बार चक्कर काटने की मजबूरी से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। राज्य का कोई भी नागरिक अब अपने घर अथवा नजदीकी केंद्र से ही सीमांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेगा। पुरानी व्यवस्था के तहत जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदकों को खुद तहसील दफ्तर जाकर आवेदन जमा करना पड़ता था। इतना ही नहीं, आवेदन के बाद फाइल किस स्तर पर अटकी है, कार्रवाई पूरी होने में देरी क्यों हो रही है या किन कारणों से मामला लंबित है—इसकी सही जानकारी समय पर न मिल पाने के कारण लोगों को हफ्तों और महीनों तक दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। नवीन व्यवस्था ने इस पूरी जटिल प्रक्रिया को बेहद सुलभ बना दिया है। अब नागरिक अपनी सुविधा अनुसार लोक सेवा केंद्र (CSC), सेवा सेतु या फिर राजस्व विभाग के सिटीजन पोर्टल के माध्यम से सीधे ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जैसे ही कोई आवेदक ऑनलाइन फॉर्म जमा करेगा, वह सीधे संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार की लॉगिन आईडी में प्राप्त हो जाएगा और निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही सीमांकन की पूरी जांच और मौका मुआयना करने के बाद राजस्व निरीक्षक (RI) भी अपनी जांच रिपोर्ट ऑनलाइन ही प्रस्तुत करेंगे। इस नए पोर्टल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आवेदक अपने आवेदन की अद्यतन स्थिति, प्रकरण की प्रगति, फाइल लंबित रहने के कारणों और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की हर छोटी-बड़ी अपडेट घर बैठे देख सकेंगे, जिससे प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनी रहेगी और मामलों का समय-सीमा में निपटारा हो सकेगा। इस नई व्यवस्था की एक और बड़ी राहत देने वाली बात यह है कि यदि सीमांकन प्रक्रिया के दौरान किसी भी पक्ष द्वारा कोई आपत्ति दर्ज नहीं की जाती है, तो आवेदक को तहसील कार्यालय में शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। केवल किसी प्रकार की आपत्ति या जमीन से जुड़ा विवाद सामने आने पर ही संबंधित पक्षों को आमने-सामने की कार्रवाई के लिए बुलाया जाएगा।

लोक सेवा केंद्र और मोबाइल से ही हो जाएगा जमीन का सीमांकन, पारदर्शी हुई प्रक्रिया

पंडरी में होर्डिंग पोल से लटका मिला अज्ञात युवक का शव

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कार शोरूम के पास होर्डिंग पोल से एक अज्ञात युवक का शव गमछे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह लोगों ने पंडरी क्षेत्र में कार शोरूम के पास होर्डिंग पोल में युवक का शव लटका देखा। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पंडरी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित कराया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष होने का अनुमान है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के पास से ऐसी कोई जानकारी मिलने की बात सामने नहीं आई है, जिससे उसकी पहचान तत्काल हो सके। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ करने के साथ मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया है.



सेवा संकल्प अभियान : औषधीय खस की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पारंपरिक खेती से हटकर जब महिलाओं ने खस जैसी औषधीय और सुगंधित फसल की खेती को अपनाया, तो उन्होंने न केवल अपनी आमदनी बढ़ाई बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव लाया। यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कृषि में नवाचार और आत्मनिर्भरता की एक बेहतरीन मिसाल को दर्शाता है। खस एक औषधीय पौधा है, जिसकी सुगंधित तेल की उच्च क्वालिटी की कीमत काफी अधिक होती है। खस की जड़ों से निकाला गया सुगंधित तेल शरबत, पान मसाला, तम्बाकू, इत्र, साबुन और अन्य सौन्दर्य संसाधनों में प्रयोग किया जाता है। इसकी सुखी हुई जड़ें लिनन और कपड़ों में सुगंध के लिए किया है। इसके अलावा खस का इस्तेमाल आयुर्वेद जैसी परंपरागत चिकित्सा प्रणालियों में औषधि के रूप में भी होता है।

कभी पारंपरिक खेती तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाओं ने अब खेती में नए प्रयोगों को अपनाकर अपनी आजीविका के नए रास्ते तलाशने शुरू कर दिए हैं। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परखंदा में 'धान के कटोरा उत्पादक समिति' स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने औषधीय एवं सुगंधित फसल खस की खेती को अपनाकर इसी बदलाव की मिसाल पेश की है। समूह ने 2.50 एकड़ क्षेत्र में खस की खेती की और पहली ही फसल में 11.20 क्विंटल खस का उत्पादन कर 1 लाख 12 हजार रुपये की आय अर्जित की। यह उपलब्धि न केवल समूह की महिलाओं के लिए आर्थिक सफलता है, बल्कि कृषि में विविधीकरण और सामूहिक आजीविका की संभावनाओं का भी उदाहरण है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन बदलते समय के साथ किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए आय के विविध स्रोत विकसित करना भी जरूरी हो गया है। इसी सोच के साथ परखंदा की महिलाओं ने पारंपरिक फसलों के साथ औषधीय एवं सुगंधित फसलों की खेती का प्रयोग किया। धान के कटोरा उत्पादक समिति की महिलाओं के लिए खस की खेती एक नया अनुभव था। नई फसल होने के कारण इसके उत्पादन और देखभाल को लेकर समूह के सामने कई चुनौतियां थीं, लेकिन महिलाओं ने सामूहिक श्रम, नियमित देखभाल और सीखने की इच्छा के साथ इस गतिविधि को आगे बढ़ाया। मेहनत का परिणाम पहली फसल की कटाई के समय सामने आया, जब समूह को 11.20 क्विंटल खस का उत्पादन प्राप्त हुआ।

परखंदा की महिला समूह ने सामूहिक प्रयास से रचा सफलता का नया अध्याय

दीपक बैज ने की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मुलाकात कहा- राजनीति में मतभेद हो, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए

रायपुर ■ दैनन्दिनी



प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) के अध्यक्ष दीपक बैज और प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित किरण सिंह देव के निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और कुशलक्षेम जाना। मुलाकात के दौरान दीपक बैज ने कहा कि राजनीति में मतभेद हो, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। बता दें कि किरण सिंह देव 29 जुलाई को परिवार के साथ बागेश्वर धाम से लौट रहे थे। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के तालबेहट क्षेत्र में झांसी-ललितपुर नेशनल हाईवे-44 पर उनकी इनोवा आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई थी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए दिल्ली ले जाया गया, जहां मेदांता अस्पताल में उनका ऑपरेशन किया गया। हादसे के बाद से उनका इलाज दिल्ली में ही चल रहा था। 23 सितंबर को उपचार पूरा होने के बाद वे वापस छत्तीसगढ़ लौट आए हैं।

लोकल से ग्लोबल हुई छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं

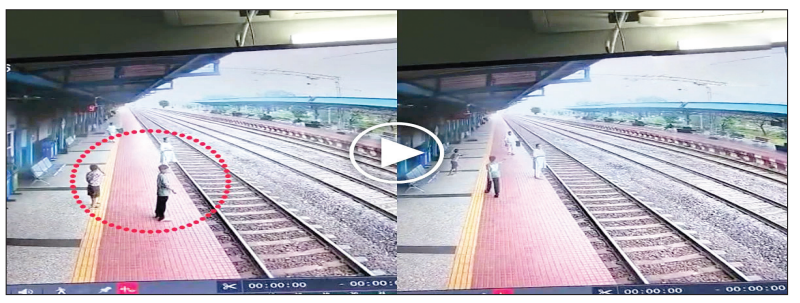
रायपुर ■ दैनन्दिनी

खेल प्रतिभाओं से धनी छत्तीसगढ़ में केवल इन प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें सही प्रशिक्षण देने और बड़े मंच तक पहुंचाने की जरूरत थी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस दिशा में योजनाबद्ध प्रयासों को आगे बढ़ाया है. मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है. प्रदेश के मुख्यमंत्री साय का कहना है कि खेल प्रतियोगिता जीतने का माध्यम होने के साथ-साथ अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण का ज़रिया भी है. इस दिशा में सरकार का प्रयास प्रतिभा की पहचान से लेकर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन, अधोसंरचना और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय अवसरों तक एक समग्र व्यवस्था तैयार करना है. छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं दिखाई देती हैं. छत्तीसगढ़ में होने वाले बस्तर ओलंपिक इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार बस्तर संभाग के सात जिलों में आयोजित प्रतियोगिताओं में पिछले आयोजनों में अब तक 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. सरगुजा ओलंपिक ने भी स्थानीय युवाओं की खेल प्रतिभा को पहचान कर उनको खेल के स्तरीय मैदान तक पहुंचने का अवसर दिया है. प्रदेश में होने वाले ऐसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण और जनजातीय युवाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिल रहा है. राज्य के खेल जगत में होने वाले इस उत्थान का श्रेय प्रदेश की जनता अपने लाड़ले मुख्यमंत्री 'विष्णु भैय्या' को देती है. मुख्यमंत्री की मंशा भी साफ़ है कि युवाओं को अवसर मिले, उनकी प्रतिभा गांव की सीमा में न रुके और मेहनत करने वाले बेटे-बेटियों को आगे बढ़ने का रास्ता मिले. वित्तीय वर्ष 2026-27 में खेल एवं युवा कल्याण विभाग का बजट 304 करोड़ रुपए किया गया है. साथ ही मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान है. ग्रामीण और ब्लॉक स्तर के खेल क्लबों को आधारभूत सामग्री और वित्तीय सहायता देने के लिए छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना में 57 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं.

स्टेशन मास्टर की तत्परता से बची जान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के उरकुरा रेलवे स्टेशन से महिला की जान बचाने का एक्सक्लूसिव वीडियो सामने आया है। महिला चलती ट्रेन के सामने कूदने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान स्टेशन मास्टर आनंद उपाध्याय ने उसका हाथ खींचकर उसे बचा लिया। जानकारी के मुताबिक महिला अपने दो बच्चों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंची थी। महिला को ट्रेन के सामने जाने से रोकने के लिए दोनों बच्चे लगातार प्रयास कर रहे थे। बच्चों ने स्टेशन मास्टर आनंद उपाध्याय को भी महिला के बारे में जानकारी दी। महिला बच्चों की बात मानने के लिए तैयार नहीं थी। इसी दौरान



स्टेशन मास्टर ने स्थिति को देखते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना महिला का हाथ पकड़कर उसे चलती ट्रेन के सामने जाने से रोक लिया। पूरी घटना स्टेशन पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। सामने आए वीडियो में स्टेशन मास्टर महिला को ट्रेन की चपेट में आने से बचाते नजर आ रहे हैं। बच्चों की कोशिश और स्टेशन मास्टर की तत्परता से महिला की जान बच गई। घटना के बाद स्टेशन मास्टर आनंद उपाध्याय के इस प्रयास की चर्चा हो रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com